# मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 23 जनवरी 2026
संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 5 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 132 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ सुभाष चन्द्र बोस : झांसी की रानी रेजिमेंट का गठन कर महिला सशक्तिकरन का संदेश

श्रद्धा व उल्लास का पर्व बसंत पंचमी ◀◀ 6


भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने रजरप्पा में की पूजा-अर्चना, कहा-

# देश की सुरक्षा मजबूत हाथों में ,भारतीय नौसेना हर चुनौती के लिए तैयार

**संवाददाता**

**रजरप्पाः** भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को राज्य के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा में कहा कि भारत की सुरक्षा पूरी तरह मजबूत और सक्षम हाथों में है। उन्होंने कहा, अगर कोई भी बाहरी ताकत भारत की ओर बुरी नजर से देखेगी या हमारी सुरक्षा में बाधा डालने की कोशिश करेगी, तो उसका जवाब पूरी कड़ाई से दिया जाएगा। भारतीय नौसेना हर परिस्थिति के लिए पूरी तरह तैयार और सतर्क है।

नौसेना प्रमुख ने रजरप्पा में की पूजा-अर्चनाः देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा के मां छिन्नमस्तिके मंदिर में शुक्रवार को श्रद्धा, आस्था और राष्ट्रभक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला, जब भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी मां के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे। उनके आने से मंदिर कैंपस पूरी तरह आध्यात्मिक माहौल में डूब गया। उनके आने से पहले ही मंदिर कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह चाक-चौबंद कर दी गई थी। नौसेना प्रमुख ने पूरे विधि-विधान के साथ मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना की, नारियल बलि अर्पित की और रक्षा सूत्र बंधवाया। मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं के लिए यह पल खास और गर्व का क्षण बन गया।

नौसेना प्रमुख ने पुजारियों से ली धार्मिक जानकारीः पूजा के दौरान एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंदिर के वरिष्ठ पुजारियों से रजरप्पा मंदिर और भैरवी-दामोदर नदी संगम की धार्मिक, पौराणिक और आध्यात्मिक महत्ता की जानकारी ली। उन्होंने इस जगह को आस्था, शक्ति और शांति का प्रतीक बताया। मंदिर के पुजारी शुभाशीष पंडा, लोकेश पंडा, सेठी पंडा, राकेश पंडा, छोटू पंडा और पोपेश पंडा सहित अन्य ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कराई। नौसेना प्रमुख ने मंदिर परिसर की स्वच्छता, अनुशासन और व्यवस्थाओं की सराहना भी की।

**मां का बुलावा आया, तभी यहां आ पाया :** नौसेना प्रमुख पूजा-अर्चना के बाद रिपोर्टर्स से बातचीत में नौसेना प्रमुख ने इमोशनल लहजे में कहा, ह्लमां का बुलावा आया, तभी मैं रजरप्पा आ पाया। मां छिन्नमस्तिके के दर्शन और पूजा से मन को विशेष सुकून और आत्मिक शांति मिली है। मां ने चाहा तो फिर यहां जरूर आऊंगा। मां के दर्शन कर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उनके इस बयान के बाद मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। नौसेना प्रमुख का समुद्री सुरक्षा पर जोरः नौसेना प्रमुख ने समुद्री सुरक्षा और भारत की रणनीतिक क्षमता पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा जल से आच्छादित है और जहां भी जल है, वहां भारतीय नौसेना की पहुंच संभव है। उन्होंने कहा, भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए नौसेना कहीं भी, कैसे भी और कभी भी पहुंचने में सक्षम है। यह भारत की रणनीतिक शक्ति, तकनीकी क्षमता और मजबूत संकल्प का प्रमाण है ह्व

**मंदिर न्यास समिति ने किया सम्मान :** नौसेना प्रमुख के रजरप्पा आगमन पर मंदिर न्यास समिति की ओर से उन्हें चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। चितरपुर सीओ दीपक मिंज, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार समेत स्थानीय प्रशासन के पदाधिकारी, जवान और सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। आध्यात्मिक दौरे से क्षेत्र में दिखा राष्ट्रभक्ति का माहौलः नौसेना प्रमुख के इस आध्यात्मिक दौरे से पूरे क्षेत्र में गौरव, श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं का कहना था कि मां छिन्नमस्तिके के दरबार में देश के रक्षा प्रमुख का आना, पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। रजरप्पा मंदिर में आध्यात्म और राष्ट्रसुरक्षा का यह संगम लोगों के लिए लंबे समय तक यादगार बन गया।

## प्रधानमंत्री ने केरल में विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन, तीन अमृत भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

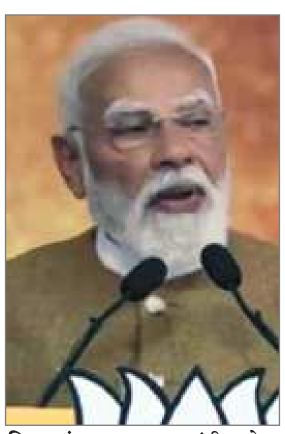

**तिरुवनंतपुरमः** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को केरल में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया और नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के प्रति लोगों में एक नई जागरूकता पैदा हुई है। परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने और ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद मोदी ने कहा कि यह दिन केंद्र सरकार के प्रयासों से प्रेरित केरल के विकास में एक नयी गति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रेल संपर्क को और मजबूत किया गया है और शुरू की गई परियोजनाएं तिरुवनंतपुरम को देश के एक प्रमुख केंद्र में बदलने में मदद करेंगी। मोदी ने तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन और एक त्रिशूर-गुरुवायूर यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच क्षेत्रीय रेल संपर्क को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने यहां सीएसआईआर-एनआईआईएसटी नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी और उद्यम केंद्र की आधारशिला रखी और ह्यपीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड' की शुरूआत की जो यूपीआई से जुड़ी ब्याज मुक्त परिक्रामी ऋण सुविधा (रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधा) है। मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत कई लाभार्थियों को ऋण राशि और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केरल और पूरे देश के गरीबों का कल्याण करना है। साथ ही उन्होंने यहां श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में अत्याधुनिक रेडियो सर्जरी केंद्र की आधारशिला भी रखी और नए पूजप्पुरा मुख्य डाकखाने का उद्घाटन किया। मोदी ने महत्वपूर्ण विकासात्मक उपलब्धियों के लिए केरल के लोगों और पूरे देश को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए पूरा देश मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, इस विकास में हमारे शहरों ने अहम भूमिका निभाई है। पिछले 11 वर्षों में हमारी सरकार ने शहरी बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश किया है।" मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं राज्य के विकास में दूरगामी प्रभाव डालेंगी। विजयन ने कहा, केरल के लिहाज से ये परियोजनाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह राज्य सरकार के लिए संतोष का एक यादगार क्षण है, क्योंकि हम लंबे समय से इनमें से कई परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी का लगातार आग्रह कर रहे थे।"

गणतंत्र दिवस समारोह से पहले राजधानी में अशांति फैलाने की कथित धमकियों के आरोप में

## खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ एफआईआर दर्ज

**नई दिल्ली :** दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में अशांति फैलाने की कथित धमकियों के आरोप में एफआईआर दर्ज की। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196, 197, 152 और 61 के तहत एफआईआर दर्ज की है। ये प्रावधान आपराधिक साजिश, भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले अन्य अपराधों से संबंधित हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर सकुर्लेट हुए एक वीडियो के बाद शुरू की गई, जिसमें पन्नू ने कथित तौर पर गणतंत्र दिवस के आसपास दिल्ली को निशाना बनाने की धमकियां दी थीं। वीडियो में पन्नू ने दावा किया कि रोहिणी और डाबरी जैसे इलाकों में तथाकथित स्लीपर सेल के जरिए खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपकाए गए हैं। हालांकि, बताए गए स्थानों पर वेरिफिकेशन और तलाशी के बाद स्पेशल सेल ने कहा कि अब तक ऐसे कोई पोस्टर नहीं मिले हैं। वीडियो के सोर्स और एसएफजे नेता द्वारा किए गए दावों के पीछे के इरादे का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस बीच, एक अलग घटना में गुरुवार को भारत ने क्रोएशिया में भारतीय दूतावास में घुसपैठ और खालिस्तानी कार्यकताओं द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को नुकसान पहुंचाने की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इस घटना के दोषियों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यह घटना विदेशों में भारतीय राजनयिक मिशनों को निशाना बनाने वाले खालिस्तानी तत्वों द्वारा की गई कार्रवाइयों की श्रृंखला में नवीनतम थी। जबकि ऐसे अधिकांश मामले पहले कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका से सामने आए थे, क्रोएशिया की घटना ने नई चिंताएं बढ़ा दी हैं।

## मोहन भागवत का बड़ा बयान, कहा, दुनिया को मयार्दा सिखाए भारत पर किताब और भाषण से नहीं

**एजेंसी/ नागौरः** दुनियाभर में चल रहे अस्थिरता के माहौल के बीच आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने दुनिया में भारत की भूमिका कैसी होनी चाहिए, इस पर अपनी बात रखी। भागवत ने इस दौरान कहा कि दुनिया को भारत मयार्दा सिखाए, लेकिन भाषण और पुस्तक से नहीं, बल्कि अपने आचरण से दुनिया को सिखाए। भारत सबकी चिंता करता है। आज बिना स्वार्थ के दुनिया की चिंता करने वाला भारत ही है। भारत ने पाकिस्तान की बाढ़ में मदद की। मालदीव और नेपाल ओर श्रीलंका की भी मदद की।

भागवत ने कहा कि पूरे विश्व के साथ भी भारत के आत्मीयता के संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हमारे संबंध बलपूर्वक व आर्थिक ताकत से नहीं हैं। भागवत ने इस दौरान धर्म की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि मदद करना भारत को धर्म सिखाता है। कब क्या करना है और कब क्या नहीं करना , ये सब धर्म सिखाता है। भारत के कण-कण में धर्म है। भारत की मूल भावना ही धर्म आधारित है। आज स्वार्थ सिद्धी ही दुनिया का सिस्टम बन गया, लेकिन भारत ऐसा नहीं करता, क्योंकि भारत धर्म जानता है।

## नोएडा व अहमदाबाद के प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

**नई दिल्ली :**अहमदाबाद और नोएडा में शुक्रवार को एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। दोनों शहरों के प्रतिष्ठित स्कूलों को ई-मेल के जरिए धमकी भरे संदेश भेजे गए, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया।अहमदाबाद में सेंट जेवियर्स स्कूल और संत कबीर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई है। यह धमकी भी ई-मेल के माध्यम से दी गई। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद अहमदाबाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और स्कूल परिसरों में तलाशी अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर पूरे परिसर की गहन जांच की। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियातन सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं।

इसी तरह, नोएडा में शिव नादर स्कूल को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी भी ई-मेल के जरिए प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रथमदृष्टया यह मेल फर्जी प्रतीत हो रहा है। हालांकि, हर पहलू से जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी नोएडा के कई स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं।

इंटरनेशनल वाइल्डलाइफ ट्रैफिकिंग रैकेट के 61 सदस्य गिरफ्तार

# करोड़ों के वन्य जीव और उनकी खाल बरामद

▶▶ दो रेड सैंड बोआ, तेंदुआ का खाल, बाघ की हड्डी का पाउडर जब्त ▶▶ बांग्लादेश, नेपाल, चीन और साउथ ईस्ट एशिया में फैला हुआ गिरफ्तार आरोपियों का नेटवर्क

**पलामूः** झारखंड, बिहार एवं छत्तीसगढ़ में वन्य जीव का शिकार कर उनकी तस्करी करने वाले 61 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करो के पास से करोड़ों रुपये के वन्य जीव एवं उनका अवशेष बरामद किया गया है। तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कई आरोपी के बड़ी राजनीतिक हस्तियों के साथ भी तार जुडे हुए हो सकते हैं। 18 नवंबर, 2025 और 20 जनवरी, 2026 के बीच, वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो और पलामू टाइगर रिजर्व की एक संयुक्त टीम ने झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ इलाकों में कई छापे मारे। इसी छापेमारी में 61 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में चार छत्तीसगढ़ जबकि आठ बिहार के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपियों का नेटवर्क बांग्लादेश, नेपाल, चीन और साउथ ईस्ट एशिया में फैला हुआ है।

गिरफ्तार तस्करों के पास से वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पलामू टाइगर रिजर्व ने 60 किलो पैंगोलिन का शल्क, दो रेड सैंड बोआ (दो मुहा सांप), दो किलो कोरल, दो हिरण, एक तेंदुआ का खाल, 1200 ग्राम सांप का जहर, बाघ की हड्डी का पाउडर और मोर के पंख बरामद किए हैं। झारखंड, बिहार एवं छत्तीसगढ़ में कार्रवाई के दौरान पलामू, लातेहार, गढ़वा, जमशेदपुर, रांची, गुमला, पालकोट, छत्तीसगढ़ के कुसमी के एसडीओ, जसपुर, बलरामपुर, डीडीयूएस टाइगर रिजर्व, बिहार के दरभंगा एवं बांका के डीएफओ की टीम भी शामिल थी।

कौन-कौन से बड़े तस्कर हुए हैं गिरफ्तारः कार्रवाई के दौरान बिहार के औरंगाबाद के रहने वाले मोहम्मद सिराज को गिरफ्तार किया गया। उस पर सांप के जहर की तस्करी करने का आरोप लगा है। बिहार के बक्सर के रहने वाले जयराम सिंह, इंद्रजीत कुशवाहा, मधुबनी के अजय कुमार झा, मुजफ्फरपुर

बिहार के रहने वाले धीरज कुमार श्रीवास्तव और मधुबनी के पंकज कुमार झा को गिरफ्तार किया गया है। जयराम सिंह एवं अजय कुमार झा बिहार में बड़ी राजनीतिक हस्ती वाले हैं। इन सभी पर तेंदुआ एवं हिरण के खाल की तस्करी करने का आरोप है। अजय कुमार झा पर रेड सैंड बोआ की तस्करी करने का आरोप है। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो और पलामू टाइगर रिजर्व की जांच में यह भी पता चला है कि अजय कुमार झा लाल सैंड बोआ सांपों को पालतू जानवर के तौर पर रखता है।

राजू उरांव नक्सल को छोड़कर मुख्य धारा में शामिल हुआ थाः झारखंड के पालकोट से भूरण सिंह, पलामू के हरिहरगंज से राजू कुमार, मेदिनीनगर से गोपाल सिंह प्रसाद, रांची से मसूड आलम, लातेहार के चंदवा से मोहम्मद जमशेद एवं लातेहार के गारु से राजू उरांव को गिरफ्तार किया गया है। राजू उरांव 2007-8 में नक्सल को छोड़कर मुख्य धारा में शामिल हुआ था और एक बड़ी राजनीतिक हस्ती के रूप में उभरा था। आरोप है कि राजू बिहार, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के तस्करों के बीच की सबसे बड़ा कड़ी है। यह शिकारी एवं तस्करों के सभी नेटवर्क से बातचीत करता है। मसूद आलम रेड सैंड बोआ की तस्करी में शामिल है।

नेपाल और बांग्लादेश के रास्ते चीन और साउथ ईस्ट एशिया में हो रही तस्करीः बिहार, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ में नेपाल एवं बांग्लादेश के वन्य जीव तस्करों की नजर है। नेपाल एवं बांग्लादेश के रास्ते साउथ ईस्ट एशिया में वन्य जीव की तस्करी की जा रही है। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पलामू टाइगर रिजर्व के जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे भी हुए है। वन्य जीव एवं उसके अवशेष को सबसे पहले नेपाल एवं बांग्लादेश में पहुंचाया जाता है उसके बाद चीन एवं साउथ ईस्ट एशिया में बेचा जाता है। इस इंटरनेशनल रैकेट में कई सफेदपोश भी शामिल हैं। जिनके खिलाफ सबूत जुटाए जा रहे हैं और कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। जांच में इस बात की भी जानकारी सामने आई है कि इंटरनेशनल मार्केट का सॉफ्ट टारगेट झारखंड, बिहार एवं छत्तीसगढ़ का इलाका है। इंटरनेशनल रैकेट डिमांड के अनुसार वन्य जीव की तस्करी एवं उसका शिकार करवा रहा है। इंटरनेशनल मार्केट का चीन सबसे बड़ा केंद्र है।

स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को लालच दे कर और बहला फुसला कर करवाया जा रहा शिकारः वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पलामू टाइगर रिजर्व के जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि इंटरनेशनल रैकेट स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को लालच दे रहा है एवं कई मामले में बहला फुसलाकर शिकार करवा रहा है। स्थानीय स्तर पर बेहद ही कम कीमत पर वन्य जीव या वन्य जीव के अवशेष को खरीदा जाता है। खरीदने के बाद वन्य जीव या अवशेष को बड़े-बड़े तस्करों को उपलब्ध करवाया जाता है। बड़े तस्कर इंटरनेशनल रैकेट से जुड़कर लाखों करोड़ों में वन्य जीव एवं उसके अवशेष को तस्करी कर रहे हैं।

## रजरप्पा थाना क्षेत्र में नकली बजाज आलमंड तेल का भंडाफोड़

**रांची:** रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर चट्टी बाजार में लंबे समय से चल रहे नकली बजाज आलमंड हेयर ऑयल के कारोबार का पुलिस ने खुलासा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने बड़ी मात्रा में नकली तेल, पैकिंग डिब्बे और रैपर बरामद किए हैं।

पैकेट और डिब्बों में भरा बजाज आलमंड तेल बरामदः पुलिस सूत्रों के अनुसार, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार को सूचना मिली थी कि चितरपुर चट्टी बाजार स्थित पांडेय जनरल स्टोर में नकली बजाज आलमंड तेल तैयार कर उसे बाजार में बेचा जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर अवर निरीक्षक रंजीत कुमार महतो ने पुलिस बल और कंपनी के प्रतिनिधि रंजीत कुमार सिंह के साथ दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान से पैकेट और डिब्बों में भरा बजाज आलमंड तेल बरामद किया गया, जो जांच में नकली पाया गया। इसके साथ ही बड़ी संख्या में ब्रांडेड रैपर और अन्य पैकिंग सामग्री भी जब्त की गई।

रजरप्पा थाना में प्राथमिकी दर्जः पुलिस ने सभी जब्त सामानों को रजरप्पा थाना लाकर सुरक्षित रखा है। इस मामले में रजरप्पा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि नकली तेल की सप्लाई किन-किन इलाकों में की जा रही थी और इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## सुभाष चंद्र बोस को दी गयी श्रद्धांजलि

**मुरी:** आज मुरी स्टेशन परिसर में सुभाष चंद्र बोस के जयंती पर श्रध्दांजलि अर्पित की गई। बन्दे मातरम के नारे लगे। सुभाषचंद्र बोस अमर रहे। संचालन कर रहे पूर्व शिक्षक ज्योति साहु ने पुष्प अर्पित करते हुए अर्पित की, फिर बारी बारी से स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार, पूर्व स्टेशन मास्टर बापी दोष, डीटीआई सुकांतो मंडल, टुनटुन कुमार, गार्ड नासिर राजा ,बिष्णु दास, अशोक चौधरी,गुरु पद महतो, दिनेश साहु, सुशांत कुमार, धीरेन कुमार आदि ने श्रध्दांजलि दी। स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार ने कहा कि उनकी रहस्यमयी इतिहास का खुलासा नहीं हुआ पर उनके बलिदान और त्याग को दिल और दिमाग में रखना चाहिए। बिष्णु दास ने बताया कि सुभाषचंद्र बोस जयंती को यादगार बनाया जाना चाहिए। इसी तरह अन्य लोगों ने भी इस जयंती पर श्रध्दांजलि दी।

## हाइड्रा से टकराई बाइक ,युवक गंभीर

**सिल्ली :** मुरी-गोला रोड का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य में लगे हाइड्रा के चपेट में आने से बाइक सवार कुतरू निवासी प्रेम मांझी पिता भूरसु मांझी गंभीर रूप से घायल हुआ है। बताया जाता है कि युवक मुरी से अपने घर कुतरू जा रहा था। इसी क्रम में कुतरू पेट्रोल पम्प के समीप रामुपर की ओर से आ रहे हाइड्रा के साथ टक्कर हो गयी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक को उठाकर सिंह पुर नर्सिंग होम मुरी पहुंचाया। जहां उसका इलाच चल रहा है। बताया जाता है कि युवक की स्थिति चिंताजनक है। गौतलब है कि झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा उक्त सड़क लगभग 25.163 किलोमीटर लंबी चार लेन में बदला जा रहा है। निर्माण कार्य में पेड़ों की कटाई भूमि, भूमि अधिग्रहण पर विवाद और स्थानीय लोगों की शिकायतें देखी जाती रही है। कई नेता भी अपना नेतागिरी चमकाने और सोशल मीडिया तथा अखबारों के सुर्खियों में रहने के लिए आते जाते रहे है।

## राजपुर थाना के 21 वें थाना प्रभारी बने रूपेश कुमार

**कान्हाचट्टी (चतरा):** गुरुवार को 21वें थाना प्रभारी के रूप में रूपेश कुमार ने संभाला राजपुर थाना का कमान। नवपदस्थापित थाना प्रभारी रूपेश कुमार ने पूर्व थाना प्रभारी संदीप कुमार से पद ग्रहण करते हुए पत्रकारों से कहा कि थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त और भय मुक्त करना पहला प्राथमिकता रहेगा। अफीम पर प्रहार जारी रहेगा। किसी भी कीमत में पोस्ता की खेती बर्दास्त नहीं किया जाएगा। रूपेश कुमार ने कहा कि जनता निर्भीक होकर अपनी समस्याओं को लेकर थाना आए। पुलिस पूरी तरह से उनके सेवा में तत्पर है। बताते चले रूपेश 2018 बैच के सब इंस्पेक्टर है।

### मुख्यमंत्री ने यूके की मंत्री सीमा मल्होत्रा से की मुलाकात

# झारखंड- यूके के बीच व्यवहारिक सहयोग पर की चर्चा

मुख्यमंत्री

**रांची:** यूनाइटेड किंगडम दौरे के क्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यूके सरकार के संसदीय अवर सचिव सीमा मल्होत्रा से भेंट की। इस दौरान शिक्षा, कौशल विकास, उत्तरदायी खनन, क्लाइमेट ट्रांजीशन, संस्कृति एवं विरासत संरक्षण जैसे क्षेत्रों में झारखंड यूके के बीच व्यवहारिक सहयोग को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान यूके ने झारखंड सरकार की मरांग गोमके जयपाल मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप तथा चेवनिंग मरांग गोमके जयपाल मुंडा ओवरसीज स्कॉलरशिप की सराहना की और इन्हें भारत यूके साझेदारी का सशक्त और जीवंत उदाहरण बताया।

चर्चा के दौरान पिछले चार वर्षों में इस योजना के माध्यम से 100 से अधिक विद्यार्थियों को मिले लाभ की चर्चा की गई। साथ ही दोनों पक्षों ने सस्टेनेबिलिटी-लिंक्ड स्कॉलरशिप मार्गों पर कार्य करने तथा विदेश अध्ययन को मेंटोरशिप, इंटर्नशिप, नेतृत्व विकास और सार्वजनिक सेवा अनुभव से जोड़ने के लिए एक एक निश्चित योजना विकसित करने पर रुचि व्यक्त की।

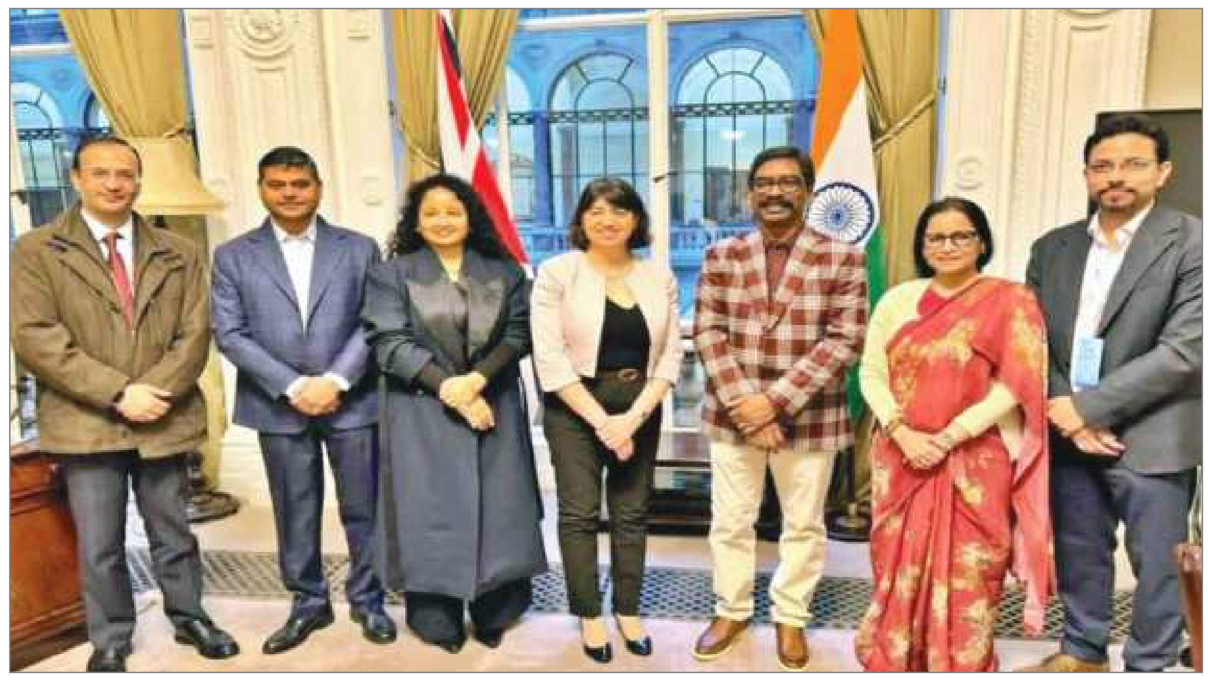

मुख्यमंत्री सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार, बैठक में यूके के प्रमुख विश्वविद्यालयों, स्किल्स एवं क्वालिफिकेशन संस्थानों के साथ संस्थागत साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। इसमें खनन प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं सततता, डेटा एवं एआई, गवर्नेंस और सार्वजनिक नीति जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम, फैकल्टी एक्सचेंज, एप्लाइड रिसर्च तथा टीवीईटी और अप्रेंटिसशिप मार्गों की स्थापना शामिल है।

मुलाकात के दौरान, आर्थिक और जलवायु सहयोग के संदर्भ में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्तरदायी खनन के क्षेत्र में यूके की क्षमताओं के साथ घनिष्ठ सहयोग का प्रस्ताव रखा, जिसमें ईएसजी सिस्टम, मिनरल ट्रेसबिलिटी, खदान सुरक्षा, स्वच्छ प्रसंस्करण तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन शामिल हैं। इस अवसर पर उत्तरदायी क्रिटिकल मिनरल्स पर एक झारखंड- यूके वर्किंग ट्रैक स्थापित करने पर भी चर्चा हुई, जो मानकों, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और आपूर्ति-श्रृंखला साझेदारी को सुदृढ़ करेगा।

बैठक में यूके की जलवायु एवं वित्तीय संस्थाओं के साथ मिलकर कोयला क्षेत्रों के विविधीकरण, जलवायु अनुकूलन, श्रमिकों एवं समुदायों के समर्थन के लिए ट्रांज़िशन फाइनेंस संरचना विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। झारखंड को जस्ट ट्रांज़िशन कार्यक्रमों के लिए एक पायलट राज्य के रूप में स्थापित करने तथा शहरी गतिशीलता और जलवायु वित्त को सहयोग के पूरक क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया। संस्कृति, खेल और विरासत संरक्षण को जन-जन के बीच संपर्क बढ़ाने के सरल एवं प्रभावी माध्यम के रूप में देखा गया। मुख्यमंत्री ने भारत- यूके विरासत संरक्षण समझौते के अंतर्गत झारखंड के मेगालिथ और मोनोलिथ स्थलों के संरक्षण के लिए यूके सहयोग का आग्रह किया। इस संदर्भ में स्टोनहेंज जैसे वैश्विक सर्वोत्तम उदाहरणों का उल्लेख करते हुए दीर्घकाल में यूनेस्को मान्यता की दिशा में कार्य करने की बात कही गई।

मुख्यमंत्री ने मंत्री सीमा मल्होत्रा को झारखंड भ्रमण का आमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस मुख्यालय का भी अवलोकन कराया गया। साथ ही मंत्री मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री को शनिवार को यूके के प्रतिष्ठित मेगालिथिक एवं मोनोलिथिक विरासत स्थल स्टोनहेंज के भ्रमण का आमंत्रण भी दिया।

### बाल विवाह मुक्त झारखंड पर कार्यशाला का आयोजन

## लोगों को दिलाई गई सामाजिक कुरीतियां दूर करने की शपथ

संवाददाता

**कोडरमाः** बाल विवाह मुक्त झारखंड के निर्माण को लेकर गुरूवार को कोडरमा के करियाबर स्कूल मैदान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज यादव और विशिष्ट अतिथि के रूप में कोडरमा उपायुक्त ऋतुराज के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में दी गई जानकारीः कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह की रोकथाम में अहम भूमिका निभाने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मौके पर स्कूली छात्राओं ने बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों को व्यक्त करते हुए नाटक का मंचन किया, जिसे वहां मौजूद लोगों ने सराहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली छात्राओं के अलावे आंगनबाड़ी सेविका सहायिका और विभिन्न थानों के पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त ऋतुराज ने मौजूद सभी लोगों को बाल विवाह रोकथाम की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि सामाजिक कुरीतियां तब तक जड़ से खत्म नहीं होगी, जब तक देश का एक-एक व्यक्ति जागरूक नहीं होगा। वहीं उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही इन कुरूतियों से निपटने के लिए सरकारी योजनाओं से भी महिलाओं और बच्चियों को जोड़ा जा रहा है, ताकि उन्हें सशक्त बनाया जा सके।

## दुर्गा सिंह घटवार की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई

मेट्रो रेज संवाददाता

**कोडरमाः** जिले के ग्राम नेरो पहाड़ी स्थित नीशोटांड़ में घटवार घटवाल आदिवासी महासभा युवा मोर्चा, कोडरमा द्वारा समाज के प्रखर नेता व भीष्म पितामह कहे जाने वाले स्व. दुर्गा सिंह घटवार की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महासभा के पदाधिकारी, युवा मोर्चा के सदस्य एवं समाज के लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके बताए संघर्षपूर्ण मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष किशुन सिंह ने कहा कि घटवार घटवाल समाज को पहले आदिवासी सूची में शामिल किया गया था, लेकिन एक प्रशासनिक त्रुटि के कारण समाज को सूची से बाहर कर दिया गया। इसी ऐतिहासिक अन्याय के खिलाफ स्व. दुर्गा सिंह घटवार ने अपना संपूर्ण जीवन संघर्ष में समर्पित कर दिया। उन्होंने समाज को अधिकार दिलाने के लिए निरंतर आंदोलन किया और अंतिम सांस तक संघर्षरत रहे। वहीं जिला सचिव भगीरथ सिंह ने कहा कि स्वर्गीय दुर्गा सिंह घटवार ने बिहार, झारखंड, बंगाल सहित कई राज्यों में समाज को जागरूक करने का कार्य किया। उनका सपना था कि घटवार समाज को संवैधानिक आरक्षण, पहचान और अधिकार प्राप्त हों, जिसके लिए उन्होंने कभी समझौता नहीं किया।

कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष महेश सिंह, संगठन मंत्री राजेश सिंह, मीडिया प्रभारी मोती सिंह, जयनगर प्रखंड अध्यक्ष राकेश सिंह, डोमचांच प्रखंड अध्यक्ष रामू सिंह, सचिव रोशन सिंह, विजय सिंह, टुकलाल सिंह, ब्राह्मदेव सिंह, राजू सिंह, संतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। वहीं महिला प्रतिनिधियों में ललिता देवी, ममता देवी एवं उर्मिला देवी ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय दुर्गा सिंह घटवार के सामाजिक संघर्ष को आगे बढ़ाने और समाज के अधिकारों के लिए एकजुट होकर आंदोलन को मजबूती देने का संकल्प लिया।

### सिमरियाः शिला ओपी प्रभारी हरिश्चंद्र तिरवार की तत्परता

## गुम हुआ पांच वर्षीय बच्चा तीन घंटे के अन्दर सकुशल बरामद

संवाददाता

**चतराः** बच्चो की सुरक्षा के प्रति चतरा पुलिस की संवेदनशीलता एवं तत्परता का एक और उदाहरण सामने आया है। शिला ओपी को सूचना प्राप्त हुई कि ईद गांव के निवासी नागेश्वर भुईया का पांच वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार शाम से लापता है। उसके परिवार वाले उसे काफी समय से खोज बीन कर रहे है पर देर शाम 06.30 बजे तक वह नहीं मिला है । प्राप्त सूचना पर त्वरीत कार्रवाई करते हुए ओपी प्रभारी पुअनि हरीश चन्द्र तिरवार के द्वारा वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए आदेशानुसार ओपी में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारीयो, बलो तथा चौकिदारों के द्वारा भिन्न भिन्न दिशा में खोज बिन करना प्रारंभ कर दिया गया । खोज बिन के क्रम में पिरी जंगल में रोड़ के किनारे शाम के समय में एक बच्चा रोते हुए देखा गया वह खाली पैर ही सिर्फ गंजी पहने हुए था उसको देख सड़क से पार हो रहे लोग भी रूक कर देखने लगे। जिसे वहाँ से स्थानिय लोगो के सहयोग से उसके घर का पता लगा कर उसके मॉ-पिता को 05 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार को सौपा गया।बच्चे के पिता नागेश्वर भुईया तथा माँ छोटिया देवी से पुछ ताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि लड़के की दीदी कुमकुम कुमारी शाम के समय अपने नानी के घर टीकूलीया (सिमरिया) के लिए निकली है । हो सकता है उसी का पीछा करते हुए यह लड़का (आर्यन) अकेले घर से करीब 07 किमी दूर पिरी जंगल तक चल गया था तथा वही भटक गया होगा। पुलिस के तत्परता से बच्चे को खोज कर उसके मॉ-पिता को सौंपा गया।

### चतरा में रफ्तार का कहर

## टेम्पो और बाइक की टक्कर में परीक्षा देने जा रहे दो छात्र घायल, हालत नाजुक

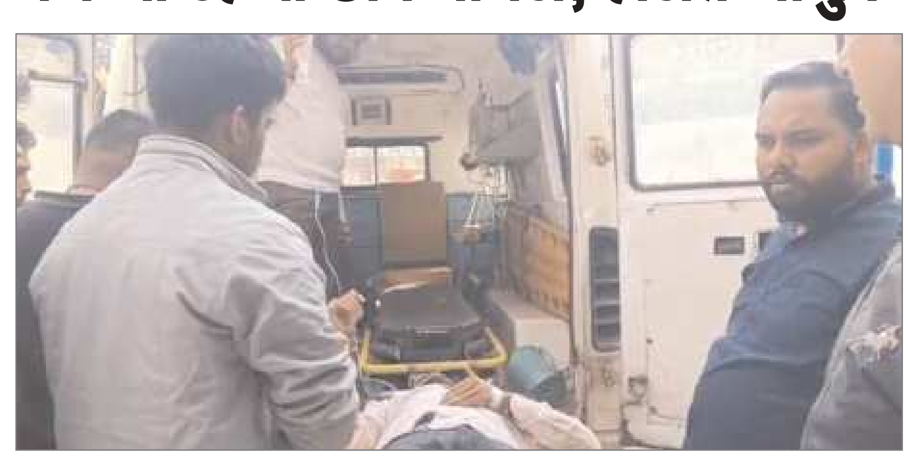

संवाददाता

**चतराः** कहते हैं कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। चतरा में एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही ने दो होनहार छात्रों की जिंदगी को खतरे में डाल दिया है। गुरुवार की सुबह जब पूरा शहर अपनी रफ्तार पकड़ रहा था, तभी पफेक्स मॉल के समीप एक भीषण टक्कर हुई। इस हादसे में परीक्षा देने जा रहे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया है। घटना गुरुवार सुबह लगभग 9 बजे की है। चतरा शहर के पफेक्स मॉल के समीप उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक बाइक और टेम्पो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। चतरा कॉलेज में परीक्षा देने जा रहे दो छात्र, महुगई निवासी अंकित कुमार पिता अरुण साव और प्रतापपुर देवी मंडप के समीप रहने वाले पीयूष कुमार पिता बिनोद माथुर इस हादसे का शिकार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों युवक हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों लहूलुहान युवकों को आनन-फानन में चतरा सदर अस्पताल पहुँचाया गया। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने बताया कि दोनों युवकों के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। आंतरिक चोटों और अत्यधिक रक्तस्राव को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार देकर तत्काल हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जैसे ही हादसे की खबर प्रतापपुर और महुगई पहुँची, परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। रोते-बिलखते परिजन अस्पताल पहुँचे। जहाँ खुशियों के साथ परीक्षा देने के लिए घर से विदा किया था, वहां अब मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है। इधर, स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुँचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या टेम्पो चालक की लापरवाही थी या बाइक की रफ्तार अनियंत्रित थी।

## रांची में पंडरा बाजार समिति की दुकानों में नहीं बनेगा स्ट्रांग रूम

# हाईकोर्ट ने कहा- नया विकल्प तलाशे सरकार

संवाददाता

**रांची:** हाई कोर्ट ने रांची के कृषि उत्पादन बाजार समिति पंडरा में स्ट्रांग रूम बनाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पंडरा बाजार समिति में अब किसी भी तरह का चुनाव कार्य नहीं होगा। इस परिसर में किसी भी चुनाव की न तो मतगणना होगी और न ही स्ट्रांग रूम बनेगा।

चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने कहा कि पंडरा मार्केट यार्ड टर्मिनल का इस्तेमाल अब किसी भी चुनावी कार्य के लिए नहीं होगा। अदालत ने इस आदेश के साथ याचिका निष्पादित कर दी। इस संबंध में झारखंड चैंबर आफ कामर्स की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई थी।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि विगत छह-सात साल से राज्य सरकार मतगणना

कार्य के लिए वैकल्पिक जगह तलाश करने की बात कह मामले को लगातार टाल रही है। जबकि वर्ष 2018 में ही हाई कोर्ट ने पंडरा में मतगणना नहीं करने का आदेश दिया था। लेकिन अभी वहां पर मतगणना का कार्य हो रहा है। कोर्ट ने पूर्व में भी कई आदेश पारित किए थे लेकिन आदेश का अनुपालन नहीं किया गया।

कोर्ट ने कहा कि आदेश का अनुपालन नहीं होना अवमानना का मामला बनता है और कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई भी की जा सकती थी, लेकिन यह राष्ट्रीय महत्व से जुड़ा है। इसलिए कोर्ट अवमानना की कार्रवाई नहीं कर रहा था, जिसे कोर्ट की कमजोरी समझा गया। कोर्ट ने राज्य सरकार एवं राज्य निर्वाचन आयोग को मतगणना और वज्रगृह के लिए वैकल्पिक स्थान तलाशने का निर्देश दिया।

इससे पहले सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नगड़ी में ईवीएम रखने के लिए भवन बनाया गया है। जिस पर कोर्ट ने कहा कि जब भवन बनाया गया है तो ऐसा बनाया जाना चाहिए था जिससे वहां मतगणना भी हो सके और ईवीएम भी रखा जा सके।

प्रार्थी की ओर से बताया गया कि कृषि उत्पादन बाजार समिति में चुनाव के दौरान मतगणना स्थल व स्ट्रांग रूम बनाया जाता है, जिसके चलते वहां की व्यवसायिक गतिविधियां बंद हो जाती हैं। दुकानदारों को आर्थिक नुकसान होता है। इसलिए वहां पर मतगणना स्थल नहीं बनाया जाना चाहिए। याचिका में कहा गया था कि पूर्व में हाई कोर्ट ने वर्ष 2019 के बाद से मतगणना और चुनाव कार्य पंडरा परिसर में नहीं कराने का निर्देश दिया था, लेकिन सरकार और आयोग इसका पालन नहीं कर रहा है।

### धानुका एग्रीटेक ने 66 कृषि विकास केन्द्रों के साथ सहयोग को किया मजबूत

**रांची:** धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदझकृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (आईसीएआरझएटीएआरआई), पटना से जुड़े बिहार और झारखंड के 66 कृषि विकास केन्द्रों के साथ अपने सहयोग को रेखांकित किया है। इस दौरान आईसीएआर के उप महानिदेशक (विस्तार) डॉ. राजबीर सिंह, आईसीएआर-एटीएआर आई पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार, आईसीएआर-एनआईएसए रांची के निदेशक डॉ. अभिजीत कर, रामकृष्ण मिशन आश्रम रांची के सचिव स्वामी भावेशानंद, बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर के कुलपति डॉ. इन्द्रजीत सिंह, बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय नादिया के पूर्व कुलपति डॉ. एम.एम. अधिकारी तथा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची के कुलपति डॉ. एस.सी. दुबे शामिल रहे। धानुका एग्रीटेक की ओर से मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. पीके. चक्रवर्ती ने बताया कि कंपनी आईसीएआर संस्थानों और 15 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर फसल सुरक्षा, कीट एवं रोग प्रबंधन, प्रतिरोध प्रबंधन, सही छिड़काव तकनीक और नकली कृषि इनपुट के खिलाफ जागरूकता पर काम कर रही है,

# हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा का युवा संवाद व सदस्यता अभियान 25 से

मेट्रो रेज

**रांची:** हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) द्वारा आयोजित युवा संवाद एवं सदस्यता अभियान का भव्य शुभारंभ 25 जनवरी 2026 को झारखंड की राजधानी रांची से किया जाएगा। इस अभियान का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष कमाल प्रवेज द्वारा दोपहर 1:00 बजे किया जाएगा।

यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम अशोकनगर, गेट नंबर 4, अमलताश, रांची में आयोजित होगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें संगठन से जोड़ना तथा पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना है।

अभियान की तैयारियों को लेकर अशोकनगर, अमलताश में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 22 जनवरी 2026 को आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न संगठनात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रम को सफल एवं प्रभावशाली बनाने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक एवं कार्यक्रम की तैयारियों में रांची के हरे कृष्ण महाराज, मदन मोहन प्रसाद, संतोष जयसवाल एवं के सी दा सक्रिय रूप से जुटे हुए नजर आए। सभी कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने में लगे हुए हैं।इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्षों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है, जिससे कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर की सहभागिता प्राप्त होगी। संगठन के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में इस अभियान को लेकर विशेष उत्साह और ऊर्जा देखने को मिल रही है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) ने रांची सहित आसपास के सभी युवाओं, समर्थकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर युवा संवाद एवं सदस्यता अभियान को सफल बनाएं और संगठन को मजबूत करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

# डीसी - एसएसपी ने नेताजी को दी श्रद्धांजलि

**रांची :** नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर डीसी मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन ने कचहरी चौक स्थित पार्क में स्थापित नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने नेताजी के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जीवन साहस, त्याग और देशभक्ति की प्रेरणादायी मिसाल है। उन्होंने कहा कि नेताजी के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान एसएसपी राकेश रंजन के साथ अनुमंडल पदाधिकारी रांची सदर रजत कुमार और उपसमाहर्ता नजारत सुदेश कुमार ने भी नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सभी अधिकारियों ने नेताजी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

## रील बनाने का जुनून पड़ा भारी

# बोनट पर बैठकर हथियार लहराने का वीडियो वायरल, मंत्री ने दिए कार्रवाई के आदेश

संवाददाता

**पलामू:** सोशल मीडिया पर रील बनाने का शौक अब कानून तोड़ने तक पहुंचता जा रहा है। जिले से सामने आए एक वायरल वीडियो ने प्रशासन को सख्त कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है, जिसमें एक युवक और युवती कार के बोनट पर बैठकर हथियार लहराते नजर आ रहे हैं।

आज के युवाओं को न कानून का डर है और न ही नियमों की परवाहः गाड़ी के बोनट पर बैठकर हथियार लहराने वाले युवक-युवती को यह हरकत महंगी पड़ गई। इस वायरल वीडियो पर झारखंड के परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कड़ा संज्ञान लिया है। मंत्री ने पलामू जिले के उपायुक्त (डीसी) को तुरंत कार्रवाई करने और रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। दीपक बिरुआ ने इस मामले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आज के युवाओं को न कानून का डर है और न ही नियमों की परवाह। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर युवाओं को हो क्या गया है। मंत्री ने वीडियो में नजर आ रही युवती को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि उसे अपने संस्कारों के बारे में जरूर सोचना चाहिए।

ऐसे वीडियो दूसरे युवाओं को भी गुमराह करते हैंः यह मामला तब सामने आया जब एक युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वीडियो पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा गया था कि हाथ में हथियार लेकर गाड़ी के बोनट पर बैठकर वीडियो बनाया जा रहा है और यह गाड़ी पलामू जिले की है। साथ ही ऐसे वीडियो बनाने वालों पर कार्रवाई की मांग की गई थी। मंत्री दीपक बिरुआ की नजर जैसे ही इस ट्वीट पर पड़ी, उन्होंने तुरंत अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दे दिए। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के वीडियो न सिर्फ यातायात नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा हैं। ऐसे वीडियो समाज में गलत संदेश देते हैं और दूसरे युवाओं को भी गुमराह करते हैं।

### सड़क दुर्घटना में पति की मौत, पत्नी गंभीर

**हजारीबागः** जिले के दारू थाना क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा हरली कॉलेज के पास हुआ, जहां एक सवारी गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी।

मृतक अरुण कुमार टाटीझरिया थाना क्षेत्र के टटगांवा गांव निवासी रामचंद्र महतो के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, अरुण कुमार अपनी पत्नी को सेमेस्टर चार की परीक्षा दिलाने मोटरसाइकिल से हजारीबाग जा रहे थे। इसी दौरान हरली कॉलेज के पास एक सवारी गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों पति-पत्नी सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन एंबुलेंस देर से पहुंचने के कारण राहगीरों की मदद से दोनों को निजी वाहन से शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान अरुण कुमार की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद सवारी गाड़ी का चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मृतक के गांव और आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम-फुलकुमारी उराँव, उम्र-19 वर्ष, ऊँचाई-5 फीट, रंग-गोरी,

उपरोक्त लापता महिला फुलकुमारी उराँव, उम्र-22 वर्ष, पति-सोमा उराँव, सा0-लोयो उपर टोली, थाना-माण्डर, जिला-राँची जो दिनांक-17.12.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में माण्डर थाना सनहा संख्या-16/2025, दिनांक-17.12.2025 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(mc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, राँची। - 9431742777

थाना प्रभारी, माण्डर, राँची। - 9431706157

PR 371452 Police(25-26)D

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

## श्री श्याम सेवा समिति का प्रेस कॉन्फ्रेंस

# श्री श्याम सेवा समिति के तृतीय वार्षिक उत्सव के बारे में विस्तार से दी गयी जानकारी

मेट्रो रेज

**रांचीः** सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन में आज श्री श्याम सेवा समिति का प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम संयोजक ऋषि टिबरेवाल के सानिध्य में हुआ।

इस अवसर पर श्री श्याम सेवा समिति के तृतीय वार्षिक उत्सव के संबंध में विस्तृत रूप बताते हुए श्री टिबरेवाल ने बताया कि 25 जनवरी दिन रविवार को चुटिया स्थित श्री राम मंदिर से अपराह्न 3:00 बजे पारंपरिक पोशाक धारण कर 111 महिला एवं पुरुष श्याम भक्तों द्वारा श्याम निशान लेकर चुटिया के विभिन्न मार्ग से होकर आयोजन स्थल में आकर बाबा श्याम को निशाना अर्पित करेंगे।

इस यात्रा में बाबा का अलौकिक श्रृंगार से सुशोजित रथ के साथ-साथ भजन गायक भजन गाते हुए साथ- साथ चलेंगे । संध्या 6:00 बजे से मुख्य कार्यक्रम स्मृति भवन चुटिया के प्रांगण में शुभारंभ समाज के गणमान्य अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया जाएगा

एवं मुख्य जजमान सीताराम चौधरी के परिवार द्वारा बाबा की ज्योत जलाकर बाबा को आमंत्रित किया जाएगा।

इस दौरान श्याम बाबा को विभिन्न प्रकार के फूलों से निर्मित बाघा पहनाया जाएगा ,बाबा को सुगंधित इत्रों से स्नान कराया जाएगा !इसके बाद समिति सदस्य किशन मोदी, प्रमोद पोद्दार ,राजेश , कुमारी अंशिका ,कुमारी रिशिका ,परमेश्वरी जोशी द्वारा बाबा को भजनों की माला अर्पित की जाएगी धनबाद से आए हुए प्रख्यात भजन प्रवाहक रोमित बंसल एवं आशीष सिंगल द्वारा भजनों की अमृत वर्षा की जाएगी। श्याम बाबा को 56 भोग एवं महाभोग विशिष्ठ सदस्यों द्वारा चढ़ाया जाएगा ।रात्रि 8:30 बजे से उपस्थित सभी श्याम भक्तों के बीच महाभोग का वितरण किया जाएगा । महिला सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रकार के बधाई स्वरूप सिक्का, ट्रॉफी, मोर पंख, मेवा भक्तों के बीच वितरित की जाएगी ।

कार्यक्रम का समापन रात्रि 11:00 बजे बाबा की महा आरती के साथ संपन्न किया जाएगा । प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदीप मोदी, दीपक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, भवानी बिरला, पंकज सिंघानिया, हरिशंकर, जितेंद्र कुमार ,मनोज कुमार, प्रकाश अग्रवाल, मुकेश साबू, अर्जुन सिंघानिया, विनोद बेगवानी,डॉ भरत अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, मिकी केडिया, ललित केडिया, वीणा माहेश्वरी, सुजाता टिबरेवाल, बॉबी अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची
ई निविदा सूचना
प्रथम आमंत्रण
निविदा सूचना संख्या – पे०स्व०वि०/वितरण/03/2025-26
दिनांक– 22.01.2026

| | | |
|---|---|---|
| क्र० | कार्य का नाम | Shifting of water supply pipe line from Namkum bridge to Ara gate due to widening of Ranchi -Muri Road under D.W. & S. Sw. Distribution Division Ranchi for the year 2024-25 |
| 1. | प्राक्कलित राशि | 32859134.00 लाख (तीन करोड़ अट्ठाईस लाख उनसठ हजार एक सौ चौंतिस) रुपये मात्र। |
| 2. | अग्रधन की राशि | 329000.00 लाख (तीन लाख उन्नतीस हजार) रूपये मात्र। |
| 3. | परिमाण विपत्र का मूल्य जो लौटाई नहीं जायगी | 10,000.00 (दस हजार) रुपये मात्र |
| 4. | कार्य पूर्ण होने की समय | 09 (नौ) महीना + 1 (एक) माह ट्रायल रन |
| 5. | वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि | 06.02.2026 अपराह्न 4.00 बजे तक |
| 6. | निविदा प्राप्ति (ऑनलाईन बिडिंग) की तिथि | 16.02.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक |
| 7. | निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, रांची के आदेश सह ज्ञापांक-120 दिनांक-03.10.2023 के अनुरूप Online करने की तिथि | 16.02.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक |
| 8. | तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय | 17.02.2026 अपराह्न 5.00 बजे |
| 9. | निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता | कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची – 834009 |
| 10. | निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता | कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची – 834009 |
| 11. | ई प्रोक्युरमेन्ट पदाधिकारी का फोन न० | 9608892111 E-Mail ID : distributionbooty@gmail.com |
| 12. | ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ठ का हेल्पलाइन न० | 0651-2480345 |

नोट – निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, रांची के आदेश सह ज्ञापांक-120 दिनांक-03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
1. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
2. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी।
3. केवल ई-निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
4. विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखें।
5. निविदा बिना कारण बताये कभी भी संशोधित या रद्द किया जा सकता है।
6. राज्य सरकार द्वारा निर्गत अद्यतन आदेश/परिपत्र लागू होंगे।
7. निधि प्राप्त होने के उपरान्त ही भुगतान किया जायगा। इसके लिए अलग से कोई दावा मान्य नहीं होगा।

PR 371503 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची

झारखण्ड सरकार
कार्यालयः–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, राँची।
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड, राँची।

सूचना

श्री सोनू कुमार महली, आदेशपाल कार्यालय– वन प्रमण्डल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, राँची, स्थायी पताः ग्राम + पोस्ट– जरिया, थाना–बेड़ो, जिला–राँची दिनांक– 04.10.2025 से बिना सूचना/आवेदन कार्यालय से अनुपस्थित है। इस कार्यालय के पत्रांक–523 दिनांक–11.10.2025 एवं पत्रांक–607 दिनांक–02.12.2025 द्वारा श्री महली, चौकीदार को निर्देशित किया गया था कि वे शीघ्र अपने कर्त्तव्य पर उपस्थित हो कर स्पष्टीकरण समर्पित करें। परन्तु अबतक वे कार्यालय में उपस्थित नहीं हुयें है एवं स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया गया है।

अतः समाचार पत्र के माध्यम से पुनः श्री सोनू कुमार महली, आदेशपाल, सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, राँची को निर्देश दिया जाता है कि समाचार प्रकाशित होने के एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय में अपने कर्त्तव्य पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार अग्रेत्तर कार्रवाई की जायेगी। ह0/–

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, राँची।

PR 371520 (Forest, Environment and Climate Changes)25-26*D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 92/2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 05.02.2026 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 06.02.2026 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.02.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

| क्र० | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रू.) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.) | अग्रधन की राशि (रू.) | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Renovation of Block "F" of 300 Bedded Nurses Hostel G+2 attached to RIMS, Ranchi | 42,24,300.00 | 5000.00 | 84500.00 | 3 Months |
| 2 | Renovation of Dresser & Compounder Quarter No.-104 Located at Doctor's Colony attached to RIMS, Ranchi | 4,58,200.00 | 750.00 | 9500.00 | 1 Month |

नोटः निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 371517 Building (25-26)_D

## सुविचार

**सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।**

## दोस्ती की लिखावट

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है–जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन ह्यइंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026ह्व आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्जरलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया स्क्रॉल करते बच्चे न केवल रचनात्मक लेखन से वंचित हो रहे हैं, बल्कि अपने दोस्तों से भी कटते जा रहे हैं, जिसका असर उनकी याददाश्त व सृजन क्षमता पर भी पड़ रहा है। एक समय था बच्चे डायरी लेखन व स्कूलों में कविता व लेख लिखने को खासे उत्सुक होते थे। दोस्तों के साथ खेल के मैदान और घर पर खेलना उन्हें शारीरिक व मानसिक स्तर पर स्वस्थ रखता था। लेकिन आज बच्चे ऑनलाइन खेलों में इतने मस्त हो जाते हैं कि उन्हें अपने असली दोस्तों का ख्याल ही नहीं रहता। वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों से दूर होते जा रहे हैं। इतना ही नहीं, आज शारीरिक सक्रियता के अभाव के कारण बच्चे छोटी उम्र में ही वयस्कों जैसे रोगों के शिकार होते जा रहे हैं। ये रोग शारीरिक भी हैं और मानसिक भी हैं। छात्र अपना बचपन स्वाभाविक रूप से नहीं जी पा रहे हैं। सही मायनों में वे समय से पहले वयस्क होते जा रहे हैं। एक समय बच्चों की लेखन क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता था। परीक्षा में बाकायदा सुंदर लेखन के अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। लेकिन आज बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध शॉर्टकट के जरिये हर परीक्षा पास करना चाहते हैं। कट-पेस्ट संस्कृति ने उनकी मौलिक सोच व सृजनात्मकता को ग्रहण लगा दिया। अक्सर छात्र प्रतियोगात्मक परीक्षाओं व लेखन प्रतिस्पधाओं में ऑनलाइन माध्यमों व इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री को हेर-फेर के साथ प्रस्तुत करते देखे जा रहे हैं, जो उन्हें व्यावहारिक जीवन की प्रतिस्पर्धा में कमजोर बनाता है। ऐसे में सीबीएसई व पोस्टल विभाग की पहल अनुकरणीय व प्रशंसनीय है।

## बेरोजगारी का दंश

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें गत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी होने की बात कही गई है। भारत दुनिया में युवाओं के देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का भरपूर उपयोग राष्ट्र विकास में नहीं कर पा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि देश के शहरी क्षेत्र में पंद्रह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के युवाओं में बेरोजगारी की दर गांवों के मुकाबले ज्यादा है। जहां शहरों में यह प्रतिशत बढ़कर 6.7 फीसदी हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में यह 3.9 फीसदी स्थिर है। हाल ही के वर्षों में बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा रहा है, जो भारत जैसे विकासशील देश के हित में नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में विकास दर तभी सार्थक होगी, जब रोजगार के नये मौके उपलब्ध हो रहे हों। नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं? निश्चित रूप से देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि ह्यआत्मनिर्भर भारतह्व और ह्यस्किल इंडियाह्व जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं। वे परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, बढ़ती बेरोजगारी हमारे विकास के मापदंडों पर भी सवाल खड़ी करती है। निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े तथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर बढ़ने से उत्पादकता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी। निस्संदेह, बढ़ती क्रय शक्ति भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। निर्विवाद रूप से बेरोजगारी कम किए बिना हम देश के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य मुश्किल से हासिल कर पाएंगे। हमें एआई व डिजिटल चुनौती के मुकाबले के लिए युवाओं का कौशल विकास तेज करना चाहिए।

# नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करती है 'वसंतपंचमी'

अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहाँ सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरूआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ–साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं। अपने वैचारिक मूल संगठन के बीच का उनका समन्वय जबर्दस्त होता है।

**-आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय**

बसंत ऋतु की मस्ती और उल्लास के क्षण में वसंतपंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मानव-हृदय मे नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करता है। सरस्वती की आराधना इस पर्व की विशेषता है। वस्तुतः सरस्वती 'कला' और 'साहित्य' की देवी हैं, जिनका भारतीय संस्कृति में शीर्ष स्थान है। हमारे पौराणिक ग्रन्थों में सरस्वती 'नागेश्वरी', 'भारती', 'शारदा', 'हंसवाहिनी', 'वीणावादिनी' इत्यादिक नामों से विश्रुत हैं तथा अत्यन्त विस्तारपूर्वक उनकी महिमा का वर्णन भी किया गया है। इसी आधार पर देश के विभिन्न भू-भागों में वसंतपंचमी के अलौकिक अवसर पर माँ शारदा का अर्चन-पूजन-स्तवन अतीव श्रद्धापूर्वक किया जाता है। वसंतपंचमी का पर्व भगवती सरस्वती को समर्पित रहता है।

अब आइए! 'वसंतपंचमी' का व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त करें। वसंतपंचमी में दो शब्द हैं :झ 'वसंत' और 'पंचमी'। हम पहले 'वसंत' शब्द को समझेंगे। यह 'वस्' धातु का शब्द है, जिसमे 'झच्' प्रत्यय जुड़ा हुआ है। इस प्रकार 'वसंत' शब्द का सर्जन होता है। हेमन्त और ग्रीष्म के मध्य की ऋतु 'वसंत' है। अब समझते हैं, 'पंचमी' को। पंचम शब्द मे 'ङीष्' प्रत्यय के जुड़ने से 'पंचमी' शब्द की रचना होती है। चान्द्रमास के प्रत्येक पक्ष की पाँचवीं तिथि 'पंचमी' कहलाती है। इस प्रकार 'वसंतपंचमी' का अर्थ हुआ- 'माघमास की शुक्लपंचमी'। इसे 'श्रीपंचमी' भी कहा गया है। यदि आप 'वसंतपंचमी' को अलग-अलग करके 'वसंत पंचमी' लिखते हैं तो आपका लेखन अशुद्ध माना जायेगा। आप इसे शुद्धतापूर्वक दो प्रकार से लिख सकते हैं :झ (१) वसंतपंचमी (२) वसंत-पंचमी।

जब सृष्टि का आरम्भ होने का समय आ गया था तब भगवान् विष्णु ने ब्रह्मा को अपने पास बुलाया और उन्हें आदेश किया था- आप मनुष्य-योनि की रचना आरम्भ करें। ब्रह्मा ने भगवान् विष्णु का आदेश ग्रहण करने के पश्चात मनुष्य-योनि की रचना की थी; परन्तु ब्रह्मा अपनी उस रचना से संतुष्ट नहीं थे। वे भगवान् विष्णु के पास पहुँचे और उनसे पुनः रचना करने के लिए अनुमति माँगी थी। विष्णु ने अपनी अनुमति दे दी थी। वे अपने लोक 'ब्रह्मलोक' लौट आये। अब वे सृष्टिरचना-प्रक्रिया से जुड़ गये। उन्होंने अपने कमण्डल से जल निकालकर उसे पृथ्वी पर छिड़क दिया था, जिसके कारण पृथ्वी में प्रतिक्रिया होने लगी, फलस्वरूप पृथ्वी पर कम्पन होने लगा तथा देखते-ही-देखते, एक अद्भुत शक्ति प्रकट हो गयी, जिसकी चार भुजाएँ थीं, जो सुदर्शना थी। उस चतुर्भुजी देवी के एक हाथ में वीणा और दूजा हाथ वर देने की मुद्रा में था। उनके अन्य दो हाथों में पुस्तक और माला थी। उस चतुर्भुजी देवी ने अपने प्रकट होते ही वीणा का सुमधुर झंकार किया था, जिससे संसार के समस्त जीवधारियों को वाणी प्राप्त हो गयी थी। उस प्रभाव का अनुभव करते ही, ब्रह्मा ने उस देवी का 'वाक्देवी'/'वाग्देवी'/'वाणी की देवी सरस्वती' का नामकरण किया था।माँ सरस्वती की सर्वप्रथम आराधना करके 'सरस्वती-पूजन' का समारम्भ श्री कृष्ण ने किया था। इसके लिए सिर पर मुकुट, गले में वैजयन्तीमाला, हाथों में मुरली धारण करते हुए, उन्होंने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की अभ्यर्थना की थी।

'ब्रह्मवैवर्तपुराण' के 'प्रकृति- खण्ड' में कहा गया है कि श्री कृष्ण द्वारा पूजित होने पर माँ सरस्वती समस्त लोक मे सबके द्वारा पूजी जायेंगी। इसी अवसर पर श्री कृष्ण ने सरस्वती को यह वर दिया थाझ हे सरस्वती! अब तुम्हारी पूजा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में प्रत्येक माघमास की शुक्लपंचमी की तिथि से समारम्भ हो जायेगी, जो यही विद्यारम्भ की तिथि भी कहलायेगी।

वास्तव में, सरस्वती जलदेवी हैं। सरस्वती नदी के नाम पर ही उनका उल्लेख किया जाता है। उनका जल हिमालय से निर्गत होता है, जो दक्षिण-पूर्व प्रवहमानता के साथ तीर्थराज प्रयाग-स्थित गंगा-यमुना के साथ संगम कर, 'त्रिवेणी' के नाम से अभिहित होने लगता है। सरस्वती को 'वाग्देवी' और 'ज्ञानदेवी' की संज्ञा से भी विभूषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्राचीनकाल में इसी सारस्वत अवसर पर गुरुकुलों और आश्रमों के स्नातकों के 'दीक्षान्त-समारोह' आयोजित किये जाते थे। वसंत को 'ऋतुराज' भी कहा जाता है। यों तो सिद्धान्ततः वसंत ऋतु तीन महीने की होती है; तापमान सामान्य रहता है; न तो अधिक शीत की ठिठुरन और न ही अधिक ग्रीष्म की तपन।

फाल्गुन ('फागुन' का तत्सम शब्द)-मास है; शिशिर ऋतु का अन्त हो रहा है। वह शीत, जिसने क्या मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे-पेड़; अर्थात समस्त जड़-चेतनजगत मे अपने तीक्ष्ण प्रहारों से 'ठिठुरन' ला दी थी, अब वही आतंकी शीत अन्तिम श्वास ले रहा है। हवा में गरमाहट आ गयी है। वसंत का आगमन हो रहा है। उसके स्वागत और अभिनन्दन के लिए लताओं और वृक्षों ने नूतन परिधान धारण कर लिये हैं। सरसों वासंती साड़ी पहन इतरा रही है; इठला रही है तथा वसुधा पर सर्वत्र बिछी हरीतिमा पर अठखेलियाँ खेल रही है। ऐसा प्रतीत होता है, मानो क्षितिज वसुन्धरा के साथ संवाद करने और अभिरम्भ (भींचकर गले लगाने के लिए उद्यत) करने के लिए मचल हो उठा हो; नभ में विहगवृन्द उन्मुक्त भाव के साथ अपने वक्षप्रान्त को लहरा-लहराकर यों उड़ान भर रहे हैं, मानो अवनि और अम्बर-तल में स्वच्छ चाँदनी सम्पूर्ण आभा और प्रभा के साथ अपनी समुपस्थिति अंकित करा रही हो; पक्षियों का कलरव यों प्रतीत होता है, मानो उनका वृन्द (समूह) समवेत स्वर मे 'स्वागत-गान कर रहा हो; भौंरे विरुदावली गुनगुना रहे हैं; बौर की सम्पन्नता से आम की डालियाँ विनम्रतापूर्वक नतमस्तक हो रही हैं; वहीं पुष्पवाटिका मे रंग-विरंगे पुष्पों से सुशोभित पौधे यत्र-तत्र-सर्वत्र अपना सौरभ बिखेर रहे हैं। मन-प्राण को सम्मोहित करनेवाले ऐसे प्रफुल्ल वातावरण मे कुसुमाकर 'वसंत' का पादप्रक्षेप (पदार्पण) होता है।

वसंतऋतु में प्रकृति अपना नव श्रृंगार करती है। रंग-विरंगे पुष्पों से अलंकृत उसका कोमल शरीर दर्शकगण को मन्त्रमुग्ध कर लेता है। ऐसे वातावरण की सृष्टि होती है, मानो प्रकृति 'नव वधू'-सी प्रतीत हो रही हो, जिससे प्रेरित होकर ही कोकिल कूजती है; भ्रमर गुनगुनाते हैं; अन्य पक्षी कलरव कर, उसका यशोगान करते हैं तथा मानव रागरंग और और वसंत की मादक गन्ध से मस्त हो जाते हैं। मस्ती के ऐसे ही क्षण मे 'फाग' का स्वर स्वतः फूट पड़ता है।

सृष्टि-सौन्दर्य की झाँकी वनो, उपवनो, पर्वतीय क्षेत्रों तथा ग्राम्यांचलों में ही देखने को मिलती है, जहाँ प्रकृति एवं निसर्ग के मनोहारी रूप के दर्शन होते हैं।

सुबह-शाम खेतों की ओर निकल आइए, आपको सरसों के पीले-पीले फूल, हवा मे लहराती जौ-गेहूँ की बालियाँ, छीमियाँ/छेमियाँ तथा श्वेत-नीले फूलों से लदे और धरती पर फैले हुए पौधे आपका मन मोह लेंगे और आम्र-मंजरियाँ अपनी सुगन्ध से आपको सम्मोहित कर लेंगी। नगरों में ऐसे मोहक परिदृश्य से नगरवासी वंचित रहते हैं। वसंत की बहार का वास्तविक आनन्द तो पर्वतीय और ग्रामीणजन ही ले पाते हैं।

# सुभाष चन्द्र बोस : झांसी की रानी रेजिमेंट का गठन कर महिला सशक्तिकरण का संदेश

सबसे प्रभावशाली और क्रांतिकारी नेताओं में शामिल नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडिशा के कटक में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने साल 2021 से सुभाष चन्द्र बोस की जयंती को ह्यपराक्रम दिवसह्व मनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर लिया गया।

**डॉ. लोकेश कुमार**

सुभाषचंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों में हैं जिनके क्रांतिकारी प्रयासों से ब्रिटिश वर्चस्व की रीढ़ टूट गई। सबसे प्रभावशाली और क्रांतिकारी नेताओं में शामिल नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडिशा के कटक में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने साल 2021 से सुभाष चन्द्र बोस की जयंती को ह्यपराक्रम दिवसह्व मनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनकी 125वीं जयंती के अवसर पर लिया गया। यह घोषणा उनके अदम्य साहस और देश के प्रति निःस्वार्थ सेवा को सम्मान देने के लिए की थी, जिससे देश के युवाओं को देशभक्ति और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखने की प्रेरणा मिल सके। नेताजी 1938 और 1939 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे लेकिन महात्मा गांधी के साथ वैचारिक मतभेदों के चलते उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने ह्यऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉकह्व नामक राजनीतिक दल की स्थापना की थी, जिसकी घोषणा उन्होंने 3 मई, 1939 को कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद की थी। इसका मुख्य कारण था कि कांग्रेस के भीतर सक्रिय क्रांतिकारियों को एकजुट करके भारत को शीघ्र से शीघ्र ब्रिटिश शासन से आजादी दिलाई जा सके और पूर्ण स्वराज के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर एक वामपंथी और क्रांतिकारी मंच बनाना, जो जनता की स्वतंत्रता की इच्छा को पूरा कर सके और ब्रिटिश राज के खिलाफ संघर्ष को तेज कर सके। बोस ने 1939 में ह्यफॉरवर्ड ब्लॉकह्व नामक एक राजनीतिक साप्ताहिक समाचार पत्र भी निकाला। उन्हें नेताजी की उपाधि जर्मनी में भारतीय प्रवासियों और सैनिकों ने दी थी। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए ह्यआजाद हिंद फौजह्व का गठन किया और आजाद हिंद फौज का नेतृत्व भी किया। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' और 'दिल्ली चलो' जैसे नारों से लाखों भारतीयों को प्रेरित किया। सुभाष चंद्र बोस ने 'दिल्ली चलो' का नारा सिंगापुर से 1943 में दिया था, जो भारतीय राष्ट्रीय सेना के सैनिकों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ दिल्ली की ओर कूच करने और भारत को आजाद कराने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया था। यह नारा अंतिम लक्ष्य का प्रतीक बन गया था, यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान, साहस और राष्ट्रवाद की भावना का शक्तिशाली प्रतीक बन गया, जो अहिंसक तरीकों के साथ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से आजादी हासिल करने के उनके दृष्टिकोण को बताता है।

'दिल्ली चलो' के नारे ने सैनिकों और दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीयों में जोश भर दिया, उन्हें आजादी की लड़ाई में कूदने के लिए प्रेरित किया। यह नारा अंग्रेजों को देश से खदेड़ने और दिल्ली पर कब्जा करने को लेकर दिया था। नेताजी ने कहा था कि दिल्ली की राह आजादी की राह है। राष्ट्रवाद का प्रतीक यह नारा भारत की राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की भावना का प्रतीक है, जो आज भी पराक्रम दिवस के अवसरों पर याद किया जाता है।

ब्रिटिश शासन के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के लिए लड़ना था, जिसमें उन्होंने जर्मनी और जापान जैसे देशों का सहयोग लिया। उन्होंने आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारतीय सैनिकों और विदेशों में बसे भारतीयों को संगठित किया और ब्रिटिश सेना से लोहा लिया। उन्हें ब्रिटिश भारत की राजधानी की ओर बढ़ने और स्वतंत्रता हासिल करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने बर्मा (अब म्यांमार) में एक निर्वासन सरकार की स्थापना की, जिसे कई देशों ने मान्यता दी। वे उस निर्वासन सरकार के प्रधानमंत्री भी बने। उनका कहना था कि देश को अंग्रेजों से मुक्ति प्रार्थना पत्रों, अहिंसक आन्दोलन से नहीं मिलने वाली है। इसके लिए अहिंसा के बजाय सशस्त्र संघर्ष से ही भारत को आजादी मिल सकती है, जिसके लिए उन्होंने एक्सिस शक्तियों (जर्मनी, जापान) से सहायता मांगी।

महिला सशक्तिकरण के रूप में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने झांसी की रानी रेजिमेंट का गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो महिलाओं की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक था। झांसी की रानी रेजिमेंट पूरी तरह से महिलाओं के लिए थी और उन्हें युद्ध और नर्सिंग प्रशिक्षण भी दिया गया। इससे महिलाओं को स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने और सशक्त, स्वावलंबी बनने का अवसर मला। उन्होंने महिलाओं के लिए विशेष रूप से एक सैन्य इकाई (रेजिमेंट) बनाई, जिसमें महिलाओं को हथियार चलाने, तलवारबाजी और नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उन्हें पारंपरिक बंधनों से मुक्ति मिल सकें।

नेताजी का मानना था कि देश की आजादी के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों की ही बराबर की भागीदारी होनी आवश्यक है और वे महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे देखना चाहते थे। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सामाजिक-आर्थिक असमानताओं से निकालने के लिए प्रेरित किया, ताकि वे परिवार और समाज को शिक्षित कर सकें। वे अपने भाषणों में हमेशा पुरुष के अपेक्षा महिलाओं को कमजोर नहीं मानते थे। उनके भाषणों का प्रभाव रहा कि बड़ी संख्या में महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और निडरता आई। उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा और शारीरिक व मानसिक विकास पर जोर दिया, उनका मानना था कि एक शिक्षित महिला पूरे परिवार और देश को शिक्षित कर सकती है।

बहरहाल, हम यह कह सकते हैं कि सुभाष चंद्र बोस ने महिलाओं को केवल सहायक भूमिकाओं तक सीमित नहीं रखा उनका मानना था कि महिलाएं स्वतंत्रता और राष्ट्र-निर्माण की लड़ाई में बराबर की हकदार हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की बलिवेदी पर अपना जीवन न्योछावर कर दिया।

**(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)**

# प्रकृति से संस्कृति तक जीवन का उत्सव

भारतीय पंचांग में वसंत पंचमी केवल एक तिथि नहीं है बल्कि ऋतु, रंग, राग और रचनात्मकता के जागरण का प्रतीक है। माघ शुक्ल पंचमी को मनाया जाने वाला यह पर्व शीत ऋतु की विदाई और वसंत के आगमन का सांस्कृतिक उद्घोष करता है। खेतों में सरसों की पीली चादर, पेड़ों पर नई कोंपलें, हवा में मंद सुगंध सब मिलकर जीवन के पुनर्जागरण का संकेत देते हैं। भारतीय समाज ने इस प्राकृतिक परिवर्तन को एक सुसंस्कृत उत्सव में ढालकर ज्ञान, कला और आशा के नये आयाम जोड़ें हैं। भारत की परंपरा में ऋतुएं केवल मौसम नहीं, जीवन दर्शन हैं। वसंत को ऋतुराज कहा गया है। यह सृजन, सौंदर्य और संतुलन का काल है। कृषि समाज के लिए वसंत पंचमी का पर्व विशेष महत्व रखता है। क्योंकि रबी की फसलें

परिपक्वता की ओर होती हैं और प्रकृति अश्वस्त करती है कि परिश्रम का फल मिलेगा। दरअसल, वसंत पंचमी इसी आश्वासन का उत्सव है। जहां मनुष्य और प्रकृति का संवाद सहज हो उठता है। वसंत पंचमी का सबसे प्रचलित रूप विद्या और वाणी की आराधना से जुड़ा है। परंपरागत रूप से देवी सरस्वती को विद्या की देवी माना गया है और इसलिए वसंत पंचमी को विद्यालयों, गुरुकुलों, घरों और सांस्कृतिक संस्थानों में, देवी सरस्वती की पूजा होती है। साथ ही वाद्ययंत्रों और लेखन सामग्री की पूजा के सामग्री में शामिल किया जाता है। भारत में वसंत पंचमी को विद्या उत्सव के रूप में मनाये जाने की सदियों से परंपरा है। उत्तर भारत में बच्चों को पहली बार अक्षर लेखन से इसी दिन परिचय कराया जाता है। यह परंपरा बताती है कि भारतीय संस्कृति में शिक्षा केवल कॅरियर नहीं, चरित्र और चेतना का विस्तार है।

### वसंत पंचमी का मोहक रंग

वसंत पंचमी को प्रतीक के तौर पर पीले रंग से चिन्हित किया जाता है। जो लोग वसंत पंचमी की पूजा में शामिल होते हैं, वो पीले वस्त्र पहनते हैं। दरअसल, पीले रंग का भी एक प्रतीकात्मक अर्थ है। यह सूर्य, ऊर्जा, ज्ञान और समृद्धि से जुड़ा माना जाता है। इस दिन लोग पीले वस्त्र धारण करके घरों को भी पीले फूलों से सजाते हैं और भोजन में भी केसरिया या पीले व्यंजनों को तरजीह दी जाती है। वैज्ञानिक रूप से पीला रंग उत्साह, स्पष्टता और सकारात्मकता जगाता है। ठीक वैसा ही जैसा वसंत का स्वभाव है। भारत के विभिन्न अंचलों में वसंत पंचमी को अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है, पर सभी जगह भाव एक ही रहता है, वह है- नवजीवन का स्वागत। इस दिन लोग प्रातः स्नान के बाद घरों और संस्थानों में पूजा, मंत्रोच्चार और आरती करके देवी सरस्वती की आराधना करते हैं। इस दिन से शैक्षिक परंपराएं जुड़ी हैं। विद्या आरंभ, पुस्तक पूजन, संगीत-नृत्य के अभ्यास का आरंभ प्रायः इसी दिन से होता है। इस दिन जो कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, उनमें कवि सम्मेलन, शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियां, नृत्य कार्यक्रम आदि होते हैं।

## टिप्स

### गर्मा-गर्म चायझ्रकॉफी के साथ कहीं आप भी तो नहीं पी रहे प्लास्टिक?

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि प्लास्टिक या प्लास्टिक–लाइनिंग वाले कॉफी कप के गर्म पेय के संपर्क में आने पर बड़ी संख्या में माइक्रोप्लास्टिक कण निकल सकते हैं, जो सीधे पेय में मिल जाते हैं। ह्यजर्नल ऑफ हजार्ड्स मेटेरियल्स: प्लास्टिक्स' में प्रकाशित शोध के अनुसार, तापमान माइक्रोप्लास्टिक के उत्सर्जन का सबसे अहम कारण है और कप की सामग्री इसमें निर्णायक भूमिका निभाती है। जैसे–जैसे पेय का तापमान बढ़ता है, प्लास्टिक से सूक्ष्म कणों के निकलने की दर भी बढ़ जाती है। अध्ययन में बताया गया है कि ऑस्ट्रेलिया में हर साल लगभग 1.45 अरब सिंगल–यूज हॉट बेवरेज कप इस्तेमाल किए जाते हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह संख्या करीब 500 अरब प्रतिवर्ष है। यह संख्या अधिक भी हो सकती है। इतने बड़े पैमाने पर उपयोग के कारण संभावित स्वास्थ्य जोखिम भी व्यापक हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पहले 30 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें पॉलीएथिलीन और पॉलीप्रोपाइलीन जैसे सामान्य प्लास्टिक के व्यवहार को परखा गया। इसमें पाया गया कि गर्म तरल के संपर्क में माइक्रोप्लास्टिक का उत्सर्जन कुछ सौ कणों से लेकर लाखों कण प्रति लीटर तक हो सकता है। वहीं, पेय को कप में कितनी देर तक रखा गया, यह उतना महत्वपूर्ण कारक नहीं पाया गया जितना उसका तापमान महत्वपूर्ण होता है। इसके बाद शोधकर्ताओं ने ब्रिस्बेन क्षेत्र से दो तरह के 400 कॉफी कप एकत्र कर उनका परीक्षण किया। इनमें पूरी तरह प्लास्टिक से बने कप और अंदर से पतली प्लास्टिक परत वाले कागजी कप शामिल थे। इन्हें ठंडे (5 डिग्री सेल्सियस) और गर्म (60 डिग्री सेल्सियस) पेय के साथ परखा गया। परिणामों के अनुसार, दोनों तरह के कप माइक्रोप्लास्टिक छोड़ते हैं, लेकिन पूरी तरह प्लास्टिक से बने कपों से, कागजी कपों की तुलना में अधिक कण निकलते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

## राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ कार्यक्रम आयोजित

**साहिबगंज :** राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर रेल थाना साहिबगंज में लोकतंत्र को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर रेल थाना प्रभारी कैलास महतो के नेतृत्व में थाना परिसर में उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई गई।थाना प्रभारी कैलास महतो ने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण कर्तव्य भी है। उन्होंने सभी को निर्भीक निष्पक्ष एवं जिम्मेदार होकर मतदान करने तथा आम जनता को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र की मजबूती, निष्पक्ष चुनाव और मतदाता की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित पुलिसकर्मियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं मतदान करेंगे और समाज में मतदाता जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका है।

## संजू हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा एक गिरफ्तार

**साहिबगंज :** बोरियो थाना क्षेत्र में बिते दिनों हुए संजू हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अनुमंडलीय कार्यालय स्थित अपने कक्ष में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि 19 जनवरी की रात्रि लगभग 8 बजे बोरियो थाना क्षेत्र के बड़ा रक्सो पंचायत भवन के पास संजू मड़ैया की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। उक्त मामले में थाना में कांड संख्या 6/26 दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने उनके नेतृत्व में मामले के उद्भेदन के लिए एक टीम का गठन किया था। टीम ने मामले में ताबड़तोड़ छापामारी करते हुए आरोपी बड़ा रक्सो, दमगी निवासी धुमा किस्कू 22 को गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त 12 बोर का एक नाली बंदूक, 07 पीस जिंदा कारतूस व 04 पीस खोखा बरामद किया है। छापामारी दल में इंस्पेक्टर नूनूदेव राय, थाना प्रभारी रोहित कुमार, पुअनि सिद्धार्थ शंकर टोप्पो, सअनि विराम मार्डी, प्रभा शंकर दूबे, देवनारायण साहू, सुधीर कुमार तिवारी व सशस्त्र बल शामिल थे।

## जिला में चयनित 17 कृषकों को दिया जा रहा है माली का प्रशिक्षण

**साहिबगंज :** वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत उद्यान विकास योजना के तहत साहिबगंज जिला में चयनित 17 कृषकों हेतु माली प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज दिनांक 22 जनवरी 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला उद्यान पदाधिकारी साहिबगंज व प्रधान कृषि विज्ञान केंद्र की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थी कृषकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि माली प्रशिक्षण के माध्यम से आधुनिक बागवानी तकनीक, पौध उत्पादन, रोपण एवं पोषण प्रबंधन तथा रोग-कीट नियंत्रण से संबंधित व्यवहारिक तकनीकी ज्ञान प्राप्त होगा। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा सभी कृषकों को सैद्धांतिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।जिससे उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी।कार्यक्रम में विभागीय पदाधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी कृषक उपस्थित रहे।

## मतदान करने अन्य नागरिकों को भी मतदान के प्रति प्रेरित करने का आह्वान

**साहिबगंज :** समाहरणालय सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों व कर्मियों को मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी को लोकतंत्र को सशक्त बनाने हेतु निर्भीक निष्पक्ष जागरूक होकर मतदान करने अन्य नागरिकों को भी मतदान के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण कर्तव्य भी है।जिसके माध्यम से हम देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने शपथ ली कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेंगे, निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखेंगे तथा प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदान हेतु प्रेरित करेंगे।मौके पर विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित थे।

# बेटियों को अवश्य शिक्षित होना चाहिए, शिक्षित बेटी ही सशक्त समाज की आधारशिला है : रणजीत

### मॉडल कॉलेज राजमहल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की वर्षगांठ

संवाददाता

**साहिबगंज/राजमहल :** मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज में प्राचार्य डॉ.रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत एक भव्य भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ह्यबेटी बचाओझ्रबेटी पढ़ाओह्व योजना की वर्षगांठ तथा राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 को भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में हुई जिसमें विद्यार्थियों ने संविधान, लोकतंत्र, राष्ट्रनिर्माण और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।भाषण प्रतियोगिता में छात्रा सोफा बैतूल ने भारतीय संविधान के इतिहास, उसकी निर्माण प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं छात्र मो. अशरफ ने अपने प्रभावशाली संबोधन में देशभक्ति, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया। छात्रा खुशी कुमारी ने अपने वक्तव्य में स्वतंत्रता से गणतंत्र की ओर भारत की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित करते हुए संविधान के महत्व को समझाया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ.सुब्रत सिंह ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय पर्वों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में देशप्रेम, लोकतांत्रिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रबल करते हैं।प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और स्वतंत्रता की रक्षा करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा किशिक्षा ऐसा धन है, जो कभी समाप्त नहीं होता। बेटियों को अवश्य शिक्षित होना चाहिए क्योंकि शिक्षित बेटी ही सशक्त समाज की आधारशिला है।शिक्षा हमें सक्षम निर्भीक आत्मनिर्भर स्वावलंबी और स्व निर्णय लेने के क्षमताओं का विकास करता है।वहीं युवाओं को आपने मतदान के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और मतदान का अधिकार का प्रयोग करना चाहिए।अंत में छात्रा खुशी ने मतदाता शपथ दिलाई कार्यक्रम में डॉ. अमित कुमार, डॉ. रमजान अली सहित महाविद्यालय के कर्मचारी एवं दर्जनों छात्र छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। आयोजन का समापन राष्ट्र निर्माण के संकल्प और लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने के संदेश के साथ हुआ।

# पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के आवास पर नगर कांग्रेस की हुई बैठक

संवाददाता

**साहिबगंज/बरहरवा :** इस्लामपुर स्थित पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के आवास प्रांगण में बरहरवा नगर कांग्रेस कमिटी की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पाकुड़ विधायक निसात आलम विशेष रूप से उपस्थित रहीं।बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी नगर निकाय चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करना एवं संगठन को चुनावी दृष्टिकोण से और अधिक सशक्त बनाना रहा।इस अवसर पर नगर स्तर पर संगठनात्मक मजबूती, बूथ कमिटी गठन, कार्यकताओं की जिम्मेदारी और जनसंपर्क अभियान को तेज करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।पाकुड़ विधायक निसात आलम ने उपस्थित नगर पदाधिकारियों व कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव की घोषणा शीघ्र होने वाली है।ऐसे में सभी कार्यकर्ता पूरी तत्परता, ईमानदारी और समर्पण के साथ चुनावी तैयारियों में जुट जाएं,ताकि कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जा सके।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रही है।आगामी नगर निकाय चुनाव में पार्टी को ऐतिहासिक सफलता दिलाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी और एकजुटता अत्यंत आवश्यक है।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि संगठन की ताकत कार्यकताओं की निष्ठा और मेहनत में निहित है।उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर कांग्रेस की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाएं।बैठक में प्रमुख रूप से प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,नगर पर्यवेक्षक कमल आर्य,वरिष्ठ कांग्रेसी मो.नसीरुद्दीन गुलाम रब्बानी,प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,नगर अध्यक्ष मनोज घोष, शाहनवाज नासीर, नवीद अंजुम,भोला नाथ महतो,अनन्त लाल भगत,निताई सरकार,मिथुन मंडल,नेहाल अख्तर,थॉमस रॉबर्ट,संतोष झा,विक्की कर्मकार,राकेश शेख,छोटे लाल रामानी, आफताब आलम,अब्दुल करीम,गोविंद कुशवाहा,आलमगीर मंसूरी,विष्णु मॉल, दीपक कुमार सहित नगर पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी नगर निकाय चुनाव में एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के उपस्थित कार्यकताओं ने लिया।

## हाई मस्ट लाइट के जलने से अंधेरे की समस्या से मिलेगी निजात : निताय सरकार

संवाददाता

**साहिबगंज/बरहरवा :** नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 03 के स्टेशन चौक पर मुकदर्शक बने हाई मस्ट लाइट चालू करवाने को लेकर कांग्रेस प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने कांग्रेस जिला महासचिव मिठून कुमार मंडल के साथ मिलकर बरहरवा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार को आवेदन सौंपा।बरहरवा स्टेशन चौक के काली मंदिर के पास हाई मस्ट लाइट विगत कई वर्षो से बंद पड़ा हुआ है जिससे वहां पर मार्केट बंद होने के बाद अंधेरा सा छा जाता है जिससे असामाजिक तत्वों द्वारा वहां पर नशे का अड्डा बन जाता है। साथ ही उस स्थान में स्तिथ घरों में चोरी होने का भी भय बना हुआ रहता है बहुत दिनों से बंद पड़े हाई मस्ट लाइट को चालू करवाने को लेकर कई वार्ड वासियों ने कांग्रेस प्रखंड महासचिव निताय सरकार से मिलकर उसे चालू करवाने को कहा इस पर प्रखण्ड महासचिव निताय सरकार ने अविलम्ब कार्यपालक पदाधिकारी को लिखित आवेदन देते हुए उक्त समस्याओ से अवगत कराते हुए जल्द से जल्द बंद पड़े हाई मस्ट लाइट को चालू करवाने को कहा इस पर कार्यपालक पदाधिकारी ने आश्वासन देते हुए हाई मस्ट लाइट को जल्द चालू करने कि बात कही।मौके पर आशीष शर्मा सहित अन्य नगर पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे।

# सुरक्षा उपकरणों के उपयोग सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करना है : नीरज

संवाददाता

**साहिबगंज :** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के उपलक्ष्य में आज साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत पत्थरघट्टा पंचायत मैदान में सड़क सुरक्षा फुटबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी खिलाड़ियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाकर किया गया। जिससे खेल के माध्यम से सुरक्षा का सशक्त संदेश जन-जन तक पहुँचे। जबकि बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार ने कहा कि खेल प्रतियोगिता एक माध्यम है।जबकि वास्तविक उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट, सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों के उपयोग सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करना है।ताकि सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने दर्शकों को संबोधित करते हुए नेक नागरिक गुड सेमेरिटन नीति राहवीर योजना की जानकारी दी तथा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की निःसंकोच सहायता करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा घायल की मदद करने वाले नेक नागरिक को ₹25,000 की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाने का प्रावधान है।कार्यक्रम के दौरान दर्शकों के बीच हैंडबिल, बुकलेट एवं पंपलेट का वितरण कर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई गई। यह अभियान केवल आंकड़ों में कमी लाने तक सीमित नहीं, बल्कि नागरिकों में जीवन के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश देता है।इस अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, फुटबॉल क्लब अध्यक्ष राम मुर्मू, कोषाध्यक्ष सुनील मुर्मू, अमितलाल मरांडी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी, खिलाड़ी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

# परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की

संवाददाता

**साहिबगंज/राजमहल :** हत्या के मामले में आरोपी एक बंदी की बुधवार की सुबह राजमहल उपकारा में आत्महत्या का प्रयास और इसके बाद हुई उसकी मौत के बाद उसका शव देर रात सदर अस्पताल से दुमका भेजा गया।मिली जानकारी के अनुसार मृतक बंदी के शव का एफएसएल की टीम ने पोस्टमार्टम किया।इसके उपरांत मृतक का शव गुरुवार की दोपहर लगभग 2:30 बजे राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज की अभिरक्षा में राधानगर थाना क्षेत्र के सत्तार टोला लाया गया।जहां उसे देर शाम सुपुर्दे खाक कर दिया गया।ज्ञात हो कि राजमहल उपकारा में बीते लगभग 05 वर्षो से अधिक समय से बंद राधानगर थाना क्षेत्र के सत्तार टोला निवासी मंसूर शेख 37 ने बुधवार को जेल के भीतर गले में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान देने की कोशिश की।जिसके बाद उसे आनन फनान में अनुमंडल अस्पताल और इसके बाद सदर अस्पताल लाया गया था।लेकिन सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।जानकारी के अनुसार मंसूर शेख पर भूमि विवाद में अपने ही सगे भाई अख्तर शेख की धारदार हसुआ से गला रेत कर हत्या कर देने का आरोप था।मामले को लेकर उसकी भाभी जहांनूर बेवा की शिकायत पर मंसूर शेख के विरुद्ध राधानगर थाना में कांड संख्या 167/20 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।इधर मंसूर के शव के सुपुर्दे खाक के बाद उसके पुत्र फारुख शेख सहित परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं बंदी के आत्महत्या करने के मामले को लेकर राजमहल थाना में प्रभारी उपकाराधीक्षक सह डीसीएलआर विमल सोरेन के बयान पर राजमहल थाना में यूडी केस संख्या 03/26 दर्ज की गई है।

# डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों को देर से ड्यूटी पर आने का मरीजों ने लगाया आरोप

संवाददाता

**साहिबगंज :** सदर अस्पताल की व्यवस्था लाख कवायद के बाद भी नहीं सुधर रही है डॉक्टर स्वास्थ्य कर्मी अक्सर ड्यूटी पर लेट से आते हैं।तो कभी डॉक्टर साहब मरीज को बिना देखे गायब हो जाते हैं.और अपने निजी क्लीनिक संभालने चले जाते हैं। जिसके चलते मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।ताजा मामला गुरुवार की है जहां सदर अस्पताल हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सचिन कुमार ओपीडी से गायब दिखे बता दे की जिले के बड़े सदर अस्पताल में सीएस डॉ. रामदेव पासवान सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार को लेकर दिनरात जूटे है। इसके बाद भी कुछ डॉक्टर से मरीजो को परेशानियों से गुजरना पड़ता है। दरअसल गुरुवार को सदर अस्पताल के ओपीडी में दोपहर 02:04 बजे हड्डी के डॉक्टर के लिए मरीज के परिजन भटकते रहे। जबकि डॉक्टर नही थे।हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सचिन कुमार की ड्यूटी थी। जबकि दोपहर 02:04 बजे डॉ. सचिन की कुर्सी खाली थी। जबकि परिजन मरीजो को लेकर डॉक्टर के इंतजार में काफी देर तक भटकते रहे। कुछ मरीज तो बिना इलाज के बैरंग लौट गए। लेकिन डॉक्टर साहब नही आये। इसके चलते मरीज के साथ परिजनों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक्स-रे कराने के बाद जब ओपीडी गया तो डॉक्टर नदारद थे। इसबीच काफी देरतक तक डॉक्टर का इंतजार करना पड़ा। इसके चलते मरीज व उसके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल के डॉक्टर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन कुमार अक्सर अपने अटेंडेंस बनाने के बाद कुछ मरीज को देखते हैं उसके बाद अपने निजी क्लीनिक चले जाते हैं।वहां अपनी मरीजों को देखने के बाद फिर 3 बजाने से पहले अस्पताल आ जाते हैं. मरिज व उनके परिजन काफी परेशान रहते हैं कुछ लोग तो बिना दिखाई ही घर चले जाते हैं।आखिर कब तक डॉक्टर की मनमानी चलेगी।

# बसंत पंचमी के दिन सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करें?

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का पर्व मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिम सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व क्या है। सनातन धर्म में बसंत पंचमी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को मां सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है और ज्ञान, कला के साथ-साथ सभी कार्यों में निपुणता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन किताब और कलम की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस दिन संगीत यंत्र भी पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आप बसंत पंचमी के दिन विद्या और कला की देवी सरस्वती की पूजा कर रहे हैं तो सरस्वती यंत्र की भी पूजा करने से भक्तों को लाभ हो सकता है।

## सरस्वती यंत्र की पूजा के लिए सामग्री?

सरस्वती यंत्र, लाल फूल
सफ़ेद फूल, धूप, दीप
अक्षत, रोली, माला, नैवेद्य
गंगाजल, दूध, पंचामृत
पंजीरी भोग के लिए

## सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करने से करें?

- सबसे पहले सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें।
- सरस्वती यंत्र को एक लाल कपड़े पर स्थापित करें।
- यंत्र के सामने धूप, दीप, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित करें।
- गणेश जी का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- फिर सरस्वती माता का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- सरस्वती मंत्र का जाप करें। आप ऊंऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नमः मंत्र का जाप कर सकते हैं।
- सरस्वती यंत्र को गंगाजल और दूध से स्नान कराएं।
- यंत्र पर चंदन, कुमकुम और अक्षत लगाएं।
- यंत्र को पुष्प और माला अर्पित करें।
- धूप और दीप जलाएं।
- सरस्वती कथा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और सभी को प्रसाद वितरित करें।

## सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व

सरस्वती यंत्र की पूजा करने से बुद्धि, विद्या, ज्ञान और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यह छात्रों और कलाकारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही है तो सरस्वती यंत्र की पूजा बसंत पंचमी के दिन विशेष रूप से करने से लाभ हो सकता है और छात्रों के लिए यह दिन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन सभी छात्र विधिवत रूप से पूजा करें।

# श्रद्धा व उल्लास का पर्व वसंत पंचमी

वसंत पंचमी, जिसे सरस्वती जयंती के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू परंपरा में गहरा महत्व रखती है क्योंकि इसे देवी सरस्वती की जयंती माना जाता है। देवी लक्ष्मी को समर्पित दिवाली और देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्रि की तरह, वसंत पंचमी ज्ञान और ज्ञान की प्रतिष्ठित देवी, सरस्वती की पूजा के आसपास केंद्रित एक उत्सव है। इस शुभ दिन पर, भक्त दिन के हिंदू प्रभाग में दोपहर से पहले के समय, पूर्वाहन के दौरान देवी सरस्वती का सम्मान करते हैं। देवी को सफेद कपड़ों और फूलों से सजाया जाता है, जो पवित्रता का प्रतीक है, क्योंकि सफेद को देवी का पसंदीदा रंग माना जाता है। दूध और सफेद तिल से बनी मिठाइयों का प्रसाद देवी सरस्वती को अर्पित किया जाता है और दोस्तों और परिवार के बीच प्रसाद के रूप में साझा किया जाता है। उत्तर भारत में, वर्ष के इस समय के दौरान खिले हुए सरसों के फूलों और गेंदा फूल की प्रचुरता के कारण पूजा के लिए पीले फूलों को विशेष रूप से चुना जाता है। वसंत पंचमी न केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन है, बल्कि विद्या आरंभ का भी प्रतीक है, एक अनुष्ठान जिसका उद्देश्य छोटे बच्चों को शिक्षा और औपचारिक शिक्षा के दायरे से परिचित कराना है। कई स्कूल और कॉलेज ज्ञान और शैक्षणिक गतिविधियों के महत्व पर जोर देते हुए, उत्सव के हिस्से के रूप में सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं जबकि वसंत पंचमी नाम भारतीय वसंत ऋतु से संबंध का सुझाव दे सकता है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह दिन जरूरी नहीं कि वसंत के मौसम से जुड़ा हो। कुछ वर्षों में, यह वसंत के दौरान पड़ता है, लेकिन यह लगातार होने वाली घटना नहीं है। परिणामस्वरूप, श्री पंचमी और सरस्वती पूजा जैसे वैकल्पिक नामों को अधिक उपयुक्त माना जाता है, यह स्वीकार करते हुए कि हिंदू त्योहार विशिष्ट मौसमों से सख्ती से बंधे नहीं हैं।

## प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पंचमी को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

- पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है।
- शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।
- शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।
- दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।
- जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।
- सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

## वसंत पंचमी कैसे मनाई जाती है

वसंत पंचमी विभिन्न अनुष्ठानों और गतिविधियों के माध्यम से मनाई जाती है जिनका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। इस त्यौहार से जुड़े मुख्य अनुष्ठान इस प्रकार हैं –

### घर पर सरस्वती पूजा

परिवार देवी सरस्वती को प्रार्थना समर्पित करते हुए घर पर सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। अनुष्ठानों में अध्ययन, कला, शिल्प, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रार्थना करना शामिल है।

### पतंग उड़ाना

वसंत पंचमी के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय गतिविधि है, जो उत्सव में एक उत्सव और खुशी का तत्व जोड़ती है।

### सफेद और पीले कपड़े पहनना

लोग पारंपरिक रूप से इस दिन सफेद और पीले कपड़े पहनते हैं, जो पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक है। विशेष रूप से सरसों की फसल की कटाई के समय से जुड़े होने के कारण पीला रंग विशेष महत्व रखता है।

### सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाना

भक्त पूजा अनुष्ठान के हिस्से के रूप में देवी सरस्वती को सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाते हैं।

### बच्चों के लिए विद्या आरंभ

वसंत पंचमी छोटे बच्चों को विद्या आरंभ के अनुष्ठान के माध्यम से शिक्षा की दुनिया में आरंभ करने के लिए महत्वपूर्ण है।

### स्कूलों और कॉलेजों में सरस्वती पूजा

कई शैक्षणिक संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के बाद, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रसाद दिया जाता है, उसके बाद उत्सव का भोजन किया जाता है।

### नए उद्यम शुरू करना

नए उद्यम शुरू करने, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों और कॉलेजों का उद्घाटन करने के लिए यह दिन शुभ माना जाता है।

### मृत परिवार के सदस्यों के लिए पितृ तर्पण

जीवन और ज्ञान का जश्न मनाने के अलावा, कुछ परिवार पितृ तर्पण भी करते हैं, जो मृत परिवार के सदस्यों को सम्मान देने और याद रखने का एक अनुष्ठान है।

### साड़ी पहनना

वसंत पंचमी पर साड़ी पहनना एक आम बात है, जो उत्सव में पारंपरिक स्पर्श जोड़ती है।

### सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्कूल और कॉलेज अक्सर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हैं।

बसंत पंचमी 2026 कब है?

# सरस्वती पूजा की विधि और अबुझ मुहूर्त का महत्व

**साल 2026 में बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी. पंचमी तिथि की उदयातिथि इसी दिन होने से यह पर्व विशेष फलदायी होगा. इस अबूझ मुहूर्त पर पीले वस्त्र पहनकर मां सरस्वती की पूजा करना, नई शुरुआत, शिक्षा और कला साधना के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है.**

**देवघर:** कहा जाता है कि जिस छात्र पर मां सरस्वती की कृपा हो जाती है उसका जीवन ज्ञान, विवेक और सफलता से भर जाता है. ज्ञान, कला और बुद्धि की देवी मां सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का पर्व हर साल माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. इस दिन विशेष रूप से छात्र-छात्राएं मां सरस्वती की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं.

## क्या कहते है ज्योतिषाचार्य

नंदकिशोर मुद्गल ने बताया कि नए साल 2026 में बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा. ऋषिकेश पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से होगी और इसका समापन अगले दिन 23 जनवरी दोपहर 2 बजकर 20 मिनट मे होगा. उदयातिथि को मान्यता देने के कारण 23 जनवरी को ही बसंत पंचमी का पर्व मनाना शुभ रहेगा.

## पूजा का महत्व और विधि

ज्योतिषाचार्य के अनुसार बसंत पंचमी के दिन छात्र-छात्राओं को सुबह स्नान कर शुद्ध मन से मां सरस्वती की पूजा करनी चाहिए. इस दिन षोडशोपचार विधि से पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है. पूजा में मां को सफेद या पीले फूल, अक्षत, पुस्तक, कलम और वाद्य यंत्र अर्पित किए जाते हैं. इससे पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है और ज्ञान की प्राप्ति होती है.

## बसंत पंचमी के दिन वस्त्र और रंग का विशेष महत्व

बसंत पंचमी के दिन पीले या सफेद वस्त्र धारण करना शुभ माना जाता है. पीला रंग बसंत ऋतु, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है. इसी कारण इस दिन पीले वस्त्र, पीले फूल और पीले प्रसाद का विशेष महत्व होता है.

## अबुझ मुहूर्त का रहता है दिन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि बसंत पंचमी को अबूझ मुहूर्त माना जाता है. यानी इस दिन बिना पंचांग देखे किसी भी नए कार्य की शुरुआत की जा सकती है. शिक्षा की शुरुआत, लेखन कार्य, संगीत या कला की साधना के लिए यह दिन बेहद शुभ माना जाता है. इस दिन पूजा आराधना करने के लिए पूरा दिन शुभ मुहूर्त होता है.

# उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है पीला रंग

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है। कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाएं जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है। ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचलें नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं।

# सुभाष चन्द्र बोस...

सुभाष चन्द्र बोस (23 जनवरी 1897 –18 अगस्त 1945) भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिन्द फौज का गठन किया था।[3] उनके द्वारा दिया गया ₹जय हिन्द₹ का नारा। ₹तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा₹ का नारा भी उनका था जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया।[4] भारतवासी उन्हें नेता जी के नाम से सम्बोधित करते हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि जब नेता जी ने जापान और जर्मनी से सहायता लेने का प्रयास किया था, तो ब्रिटिश सरकार ने अपने गुप्तचरों को 1941 में उन्हें खत्म करने का आदेश दिया था। नेता जी ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हाल के सामने 'सुप्रीम कमाण्डर' (सर्वोच्च सेनापति) के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए ₹दिल्ली चलो!₹ का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा, इम्फाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया।

२१ अक्टूबर १९४३ को बोस ने आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनाई जिसे जर्मनी, जापान, फि लीपीन्स, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड सहित 11 देशो की सरकारों ने मान्यता दी थी। जापान ने अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह इस अस्थायी सरकार को दे दिए। सुभाष उन द्वीपों में गए और उनका नया नामकरण किया।

१९४४ को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया। कोहिमा का युद्ध ४ अप्रैल १९४४ से 22 जून १९४४ तक लड़ा गया एक भयंकर युद्ध था। इस युद्ध में जापानी सेना को पीछे हटना पड़ा था और यही एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ।

६ जुलाई १९४४ को उन्होंने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी के नाम एक प्रसारण जारी किया जिसमें उन्होंने इस निर्णायक युद्ध में विजय के लिए उनका आशीर्वाद और शुभ कामनाएँ मांगी। सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु को लेकर आज भी विवाद है।[7] जापान में प्रतिवर्ष 18 अगस्त को उनका शहीद दिवस मनाया जाता है परन्तु भारत में रहने वाले उनके परिवार के लोगों का आज भी यह मानना है कि सुभाष की मौत १९४५ में नहीं हुई। वे उसके बाद रूस में नजरबन्द थे। यदि ऐसा नहीं है तो भारत सरकार ने उनकी मृत्यु से संबंधित दस्तावेज अब तक सार्वजनिक नहीं किए क्योंकि नेता जी की मृत्यु नहीं हुई थी। [8]

16 जनवरी 2014 (गुरुवार) को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नेता जी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए विशेष पीठ के गठन का आदेश दिया।[9]

आजाद हिन्द सरकार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इतिहास में पहली बार वर्ष 2018 में भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने लाल कि ला पर तिरंगा फहराया। 23 जनवरी 2021 को नेताजी की 125वीं जयंती थी जिसे भारत सरकार के निर्णय के तहत पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया। 8 सितम्बर 2022 को नई दिल्ली में राजपथ, जिसका नामकरण कर्तव्यपथ किया गया है , पर नेताजी की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया गया।

## जन्म और पारिवारिक जीवन

सुभाष के पिता जानकीनाथ बोस का सन 1905 का चित्र विकिमीडिया कॉमंस से नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हिन्दू बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था[10]। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। पहले वे सरकारी वकील थे मगर बाद में उन्होंने निजी प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। उन्होंने कटक की महापालिका में लम्बे समय तक काम किया था और वे बंगाल विधानसभा के सदस्य भी रहे थे। अंग्रेज सरकार ने उन्हें रायबहादुर का खिताब दिया था। प्रभावती देवी के पिता का नाम गंगानारायण दत्त था। दत्त परिवार को कोलकाता का एक कुलीन परिवार माना जाता था। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 सन्तानें थी जिसमें 6 बेटियाँ और 8 बेटे थे। सुभाष उनकी नौवीं सन्तान और पाँचवें बेटे थे। अपने सभी भाइयों में से सुभाष को सबसे अधिक लगाव शरद चन्द्र से था। शरदबाबू प्रभावती और जानकीनाथ के दूसरे बेटे थे। सुभाष उन्हें मेजदा कहते थे। शरदबाबू की पत्नी का नाम विभावती था।

## शिक्षादीक्षा से लेकर आईसीएस तक की यात्रा

सुभाष का उन दिनों का चित्र जब वे सन 1905 में इंग्लैण्ड आईसीएस करने गये हुए थे

कटक के प्रोटेस्टेण्ट स्कूल से प्राइमरी शिक्षा पूर्ण कर 1909 में उन्होंने रेवेनशा कॉलेजियेट स्कूल में दाखिला लिया। कॉलेज के प्रिन्सिपल बेनीमाधव दास के व्यक्तित्व का सुभाष के मन पर अच्छा प्रभाव पड़ा। मात्र पन्द्रह वर्ष की आयु में सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का पूर्ण अध्ययन कर लिया था। 1915 में उन्होंने इण्टरमीडियेट की परीक्षा बीमार होने के बावजूद द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की। 1916 में जब वे दर्शनशास्त्र (ऑनर्स) में बीए के छात्र थे किसी बात पर प्रेसीडेंसी कॉलेज के अध्यापकों और छात्रों के बीच झगड़ा हो गया सुभाष ने छात्रों का नेतृत्व संभाला जिसके कारण उन्हें प्रेसीडें सी कॉलेज से एक साल के लिये निकाल दिया गया और परीक्षा देने पर प्रतिबन्ध भी लगा दिया।

# मप्र के इंदौर के बाद महू में दूषित पानी से फैल रही बीमारी, 25 लोग संक्रमित

तीन बच्चे अस्पताल में भर्ती, बुजुर्ग हायर सेंटर रेफर, जगह-जगह लीकेज के कारण नालियों का गंदा पानी पाइप में मिल रहा

**एजेंसी**

**भोपाल :** मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पीने के पानी के कारण मौतों का सिलसिला अभी थमा भी नहीं था कि महू में भी लोग स्वास्थ्य संकट का सामना करने को विवश हैं। शहर से लगभग 20-25 किलोमीटर दूर पत्ती बाजार और मोती महल इलाके में दूषित पानी पीने के कारण पिछले 10-15 दिनों में करीब 25 लोग बीमार हो चुके हैं। इनमें अधिकांश बच्चे हैं। महू के रहवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से गंदे पानी की समस्या लेकर अधिकारियों को अवगत करा रहे थे, लेकिन समय पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने बताया कि इलाके में पेयजल पाइपलाइन सीधे

नालियों के पास से गुजर रही है और जगह-जगह लीकेज के कारण नालियों का गंदा पानी पाइप में मिला हुआ है। इस वजह से नलों से गाद और बदबूदार पानी निकल रहा है और इसी पानी के सेवन से इलाके में बीमारियां फैल रही हैं। लंबे समय तक इस समस्या की अनदेखी ने स्थानीय लोगों में भारी असंतोष और आक्रोश पैदा कर दिया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि चंदर मार्ग से शुरू हुआ गंदा पानी अब मोती महल तक पहुंच चुका है। नलों से मटमैला और बदबूदार पानी आ रहा है, जिससे बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और उनकी पढ़ाई भी बाधित हो रही है। मिठोरा परिवार के छह बच्चे, 11 साल की वाणी से लेकर 19 साल के भावेश तक कई दिनों से बीमार हैं। वहीं, 12वीं की छात्रा अलीना पीलिया संक्रमण के कारण प्री-बोर्ड की परीक्षा नहीं दे सकी। छोटे बच्चे जैसे 9 साल की लक्षिता और 12 साल का गीतांश भी पीलिया से जूझ रहे हैं। इस समय कुछ गंभीर लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है और स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति पर निगरानी बढ़ा दी है। महू के मोतीमहल इलाके के रहवासी आदर्श (5 वर्ष), कृशु (4 वर्ष) और यथार्थ (10 वर्ष) की हालत बिगड़ने पर उन्हें रेडक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा, बुजुर्ग जगदीश चौहान को लिवर में संक्रमण पाए जाने के कारण अधिक बेहतर उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया है। माहौल बिगड़ने के बाद प्रशासन ने तुरंत कदम उठाए हैं। एसडीएम राकेश परमार और तहसीलदार विवेक सोनी ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पानी के सैंपल लेकर जांच करने के निर्देश दिए हैं। महू बीएमओ डॉ. योगेश सिंगारे के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर सर्वे कर रही हैं। फिलहाल तीन बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि अन्य मरीजों का इलाज घर पर किया जा रहा है।

गौरतलब है कि दूषित पानी से बीमारी फैलने की सूचना पर क्षेत्रीय विधायक उषा ठाकुर गुरुवार रात पत्ती बाजार और मोती महल के प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचीं। उन्होंने बीमार बच्चों और अन्य मरीजों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने स्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद अधिकारियों को निर्देश दिए कि तत्काल इलाज और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। दूषित पानी की सप्लाई रोकी जाए और वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था बनाई जाए। इसके अलावा, उन्होंने पानी सप्लाई लाइन की तकनीकी जांच कर स्थायी समाधान देने का भरोसा भी दिया।

## बेलडांगा हिंसा : विवादित फेसबुक पोस्ट के आरोप में युवक गिरफ्तार

**मुर्शिदाबाद :** बेलडांगा में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं और 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-12) को जाम किए जाने के मामले में मुर्शिदाबाद जिला पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप में शौकत अली अलबेनी नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित बेलडांगा थाना अंतर्गत जलालपुर इलाके का निवासी है। यह गिरफ्तारी साइबर क्राइम थाने द्वारा की गई है। पुलिस ने बताया गुरुवार शाम बताया कि गिरफ्तार शौकत अली को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गत 15 जनवरी 2026 को शौकत अली अलबेनी ने अपने निजी फेसबुक प्रोफाइल से एक बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट अपलोड किया था। उस पोस्ट में सीधे तौर पर आम लोगों को हिंसा करने और कानून अपने हाथ में लेने के लिए उकसाया गया था। आरोप है कि पोस्ट वायरल होने के बाद बेलडांगा और आसपास के इलाकों में भारी तनाव फैल गया। बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और लंबे समय तक एनएच-12 को अवरुद्ध कर दिया। स्थिति बेकाबू हो गई और प्रदर्शनकारियों ने कई हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और कानून-व्यवस्था की स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ गई।

# अग्निवीर भर्ती रैली में संयुक्त प्रवेश परीक्षा पास कर चुके तीन जिलों के लगभग 3000 युवा लेंगे भाग

**एजेंसी**

**हमीरपुर :** उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के अभ्यर्थियों के लिए मार्च में अणु के सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड एवं डिग्री कालेज परिसर में होने वाली थल सेना भर्ती रैली की तैयारियों के संबंध में शुक्रवार को यहां हमीर भवन में विभिन्न विभागों तथा थल सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर के अधिकारियों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने बताया कि इस भर्ती रैली की अवधि 5 से 18 मार्च तक रहेगी, लेकिन 8 मार्च तक का समय तैयारियों के लिए रखा गया है। जबकि, वास्तविक भर्ती प्रक्रिया 9 से 17 मार्च तक होगी और 18 मार्च को रिजर्व दिन रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस भर्ती रैली में लगभग 3000 युवाओं का ग्राउंड टेस्ट, मेडिकल जांच और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगी जोकि संयुक्त प्रवेश परीक्षा पास कर चुके

हैं। इसलिए, आयोजन स्थल और इसके आस-पास के पूरे क्षेत्र में सभी आवश्यक प्रबंधों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। रैली स्थल पर बिजली, पानी, अग्निशमन, शौचालय एवं सफाई, मेडिकल, इंटरनेट, कंप्यूटर्स-प्रिंटर्स और अन्य सुविधाओं तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारियों की तैनाती को लेकर बैठक में व्यापक चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के लिए आने वाले सेना के लगभग 200 अधिकारियों एवं सैनिकों के रहने की व्यवस्था भी करनी होगी। उन्होंने सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर के अधिकारियों से कहा कि वे सभी सेवाओं की डिमांड अतिशीघ्र जिला प्रशासन को भेजें, ताकि आवश्यकतानुसार प्रबंध किए जा सकें। उपायुक्त ने कहा कि उम्मीदवारों की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए शिक्षा विभाग, युवा सेवाएं एवं खेल विभाग, आईटीआई और अन्य शिक्षण संस्थानों से भी अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। पात्र उम्मीदवारों की मैदान में एंट्री तड़के से ही शुरू हो जाएगी। इसलिए, सभी विभागों को इसी समय के अनुसार तैयारी करनी होगी।

# प्रधानमंत्री मोदी 14 फरवरी को फिर आ सकते हैं असम : मुख्यमंत्री

**एजेंसी**

**गुवाहाटी :** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 14 फरवरी को एक बार फिर असम दौरे पर आने की संभावना है। इस दौरान प्रधानमंत्री राज्य को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। मुख्यमंत्री फेसबुक लाइव के अनुसार, प्रधानमंत्री गुवाहाटीझ्नॉर्थ गुवाहाटी पुल का उद्घाटन करेंगे। इस पुल के चालू होने से ब्रह्मपुत्र नद के दोनों तटों के बीच आवागमन और अधिक सुगम होगा तथा गुवाहाटी महानगर की यातायात व्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी। डॉ. सरमा ने बताया कि प्रधानमंत्री भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) गुवाहाटी का भी औपचारिक शुभारंभ करेंगे, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा

के क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री से अनुरोध किया गया है कि वे मोरान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर विमान लैंडिंग के लिए निर्मित एडवांस्ड हाइवे पर विमान के माध्यम से उतरें। यह हाइवे आपातकालीन और रणनीतिक जरूरतों के लिए तैयार किया गया है, जो असम की बुनियादी ढांचे की क्षमता को दर्शार्ता है।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को की पुष्पांजलि अर्पित

**एजेंसी**

**नई दिल्ली :** नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती ह्यपराक्रम दिवसह्नके रूप में मनाई जाती है। ऐसे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में नेताजी को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने नेताजी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और भारत की स्वतंत्रता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता पराक्रम का सच्चा प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आजाद हिंद फौज के संस्थापक और महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन करते हुए देशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ह्यजय हिंदह्न और ह्लतुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगाह्व जैसे नारों के माध्यम से देश में क्रांति की चेतना जगाने वाले नेताजी को याद किया। उन्होंने कहा कि मातृभूमि के प्रति नेताजी का समर्पण और सांप्रदायिकता के खिलाफ उनका दृढ़ रुख आज भी प्रेरणास्त्रोत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नेताजी को महान क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि उनके साहस, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व ने देश को स्वतंत्रता के मार्ग पर अग्रसर किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेताजी को भारत माता का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि आजाद हिंद फौज की स्थापना कर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने प्रदेशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दीं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी नेताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका साहस, त्याग और संकल्प भारतीय इतिहास में राष्ट्रगौरव का अमिट प्रतीक है।

# अमित शाह 30 जनवरी को डिब्रूगढ़ आएंगे, मुख्यमंत्री ने की कई योजनाओं की घोषणा

**एजेंसी**

**गुवाहाटी :** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 जनवरी को डिब्रूगढ़ आएंगे, जहां वे असम विधानसभा के दूसरे परिसर का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने फेसबुक लाइव के जरिए इसकी जानकारी दी तथा राज्य में आगामी कार्यक्रमों, नियुक्तियों और निवेश से जुड़ी कई अहम घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 11 या 12 फरवरी को 2 हजार युवक-युवतियों को नई नियुक्ति पत्र सौंपेगी। इसके अलावा 24 जनवरी को मुख्यमंत्री बाक्सा जाएंगे, जहां वे मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना के तहत चेक वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। 25 जनवरी को दुमदुमा में ह्यएति कोली दुटी पातह्न योजना का उद्घाटन किया जाएगा। इस योजना के तहत चाय बागान के स्थायी

और अस्थायी श्रमिकों को राज्य सरकार की ओर से पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। 26 जनवरी को मुख्यमंत्री दूसरी बार डिब्रूगढ़ में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 7 फरवरी को गुवाहाटी में मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान का उद्घाटन किया जाएगा। इस योजना के तहत 75 हजार युवाओं को स्वरोजगार के लिए 2-2 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। डॉ. सरमा ने यह भी कहा कि स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान विभिन्न अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ हुई बैठकों के बाद असम को करीब 90 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव मिला है। कई वैश्विक कंपनियों ने असम में निवेश करने में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रोजगार सृजन, सामाजिक कल्याण और निवेश के जरिए असम के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

## नोएडा में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

**नोएडा :** उत्तर प्रदेश के नोएडा में शुक्रवार की सुबह कई नामी स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस सूचना के मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी, डॉग स्क्वॉयड, फायर ब्रिगेड, बम निरोधक दस्ता जांच में जुट गए हैं। कुछ स्कूलों ने अभिभावकों को जानकारी देकर स्कूलों को बंद कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर भरोसा ना करें। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने बताया कि आज सुबह को नोएडा के कई नामी निजी स्कूलों को ईमेल के माध्यम से धमकी दी गई है। जिसमें बताया गया है कि स्कूलों में बम प्लांट किए गए हैं तथा बम धमाके किए जाएंगे। इस सूचना के आधार पर पुलिस के आलाधिकारी, बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वॉयड स्कूलों में पहुंच गए। स्कूलों की कक्षाओं को खाली कराकर चेकिंग की जा रही हैं। पुलिस ने बताया कि अभी तक कहीं पर कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। पुलिस को आशंका है कि यह फेक कॉल हो सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी कई बार नोएडा एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरी फर्जी ईमेल आ चुके हैं। पूर्व में पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

# मुख्यमंत्री नीतीश की समृद्धि यात्रा का दूसरा चरण 27 जनवरी से शुरू

**एजेंसी**

**पटना :** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का दूसरा चरण आगामी 27 जनवरी से शुरू होगा। जिसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने विस्तृत ब्यौरा जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' और जनसंवाद जारी है। यह यात्रा 16 जनवरी 2026 को पश्चिम चंपारण के बेतिया से शुरू हुई थी, जहां से मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों में विकास योजनाओं का जमीनी स्तर पर मूल्यांकन शुरू किया। पहले चरण में मुख्यमंत्री ने 8 दिनों में 9 जिलों का दौरा पूरा करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें कुछ जिलों को एक ही दिन में कवर किया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग ने

समृद्धि यात्रा के दूसरे चरण का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह चरण 27 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक चलेगा और मिथिलांचल क्षेत्र पर केंद्रित रहेगा। 27 जनवरी को मुख्यमंत्री मधुबनी, 28 जनवरी को दरभंगा और 29 जनवरी को समस्तीपुर जिलों का दौरा करेंगे। इन जिलों में विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास, समीक्षा बैठकें और स्थल निरीक्षण के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह चरण तीन दिनों में तीन प्रमुख जिलों को कवर करेगा। समृद्धि यात्रा के पहले चरण में अब तक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), सीतामढ़ी, शिवहर, गोपालगंज, सारण और सिवान जिलों में कार्यक्रम हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने इन जिलों में विकास योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया, जन सभाओं को संबोधित किया और लाभार्थियों से बातचीत की। 23 जनवरी को मुजफ्फरपुर और 24 जनवरी को वैशाली में कार्यक्रम निर्धारित हैं, जिसके साथ पहला चरण समाप्त हो जाएगा। समृद्धि यात्रा में मुख्यमंत्री विशेष रूप से 'सात निश्चय' जैसी प्रमुख योजनाओं की प्रगति पर फोकस कर रहे हैं। वे विकास कार्यों की गुणवत्ता जांच रहे हैं और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई के संकेत दे रहे हैं। यात्रा के दौरान जनता से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनना और तत्काल निर्देश जारी करना भी प्रमुख उद्देश्य है। बिहार विधानमंडल का बजट सत्र 2 फरवरी 2026 से शुरू हो रहा है, जो 27 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान 3 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा। ऐसे में दूसरे चरण के बाद तीसरे चरण की समृद्धि यात्रा में कुछ ब्रेक लग सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री विधानसभा सत्र की तैयारियों और सदन में भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

## न्यूज IN ब्रीफ

### लखनऊ में युवक की लाश मिली, हत्या की आशंका

**लखनऊ :** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा नहर के पास पटरी के किनारे शुक्रवार सुबह एक युवक की लाश मिली। पुलिस ने मृतक की पहचान कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव की दशा देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। नगराम थानाध्यक्ष विवेक चौधरी ने बताया कि ग्राम गुलालखेड़ा के इंदिरा नहर के पास पटरी किनारे एक युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। जानकारी मिलते ही अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्ला पल्ली वसंथ कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, मोहनलालगंज और थाना की फोर्स फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बाद मृतक की पहचान गुलालखेड़ा निवासी ओम प्रकाश (22) के रूप में हुई। परिजनों से पता चला है कि पिता के देहांत के बाद वह मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। गुरुवार रात आठ बजे घर से निकला और वापस नहीं लौटा। शुक्रवार को सुबह उसका शव नहर पटरी के पास मिला। पुलिस ने घटनास्थल से फॉरेंसिक को बुलाकर साक्ष्य संकलन एवं वैज्ञानिक विधि से जांच कराई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया गया। एडीसीपी ?दक्षिणी ने घटना के शीघ्र अनावरण के लिए टीमें गठित कर दी हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

### श्री काशी विश्वनाथ धाम में मां सरस्वती की वैदिक मत्रोंच्चार के बीच आराधना

**वाराणसी :** वसंत पंचमी पर्व पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में मां सरस्वती की आराधना वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच की गई। श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर स्थित विद्या एवं संगीत की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की विधि-विधान से आराधना के दौरान परिसर भक्तिमय वातावरण से परिपूर्ण रहा। मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मंदिर के डिप्टी कलेक्टर ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन किया। पूजा के बाद माँ सरस्वती से विद्या, विवेक, वाणी एवं कला की समृद्धि की कामना की गई। बसंत पंचमी के अवसर पर धाम में आए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। श्रद्धालुओं ने भी माँ सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सरस्वती मंदिर न्यास के अनुसार मां सरस्वती के पूजन के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

### जांजगीर-चांपा : पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने किया थाना बिर्रा का वार्षिक निरीक्षण

**जांजगीर :** जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार 23 जनवरी 2026 को थाना बिर्रा का वार्षिक निरीक्षण किया। निर्धारित रोस्टर के अनुसार सुबह थाना पहुंचने पर सर्वप्रथम एसपी द्वारा परेड की सलामी ली गई। इसके पश्चात थाना परिसर में संधारित समस्त दस्तावेज, अभिलेख एवं विभिन्न रजिस्टरों का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आर्म्स एवं एम्युनिशन की स्थिति, जप्त माल के रख-रखाव और उसके सुरक्षित एवं सही संधारण की भी बारीकी से जांच की गई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना क्षेत्र के निगरानी बदमाशों एवं गुंडा बदमाशों की हिस्ट्रीशीट का गहन परीक्षण किया गया। साथ ही ग्राम अपराध पुस्तिका का अवलोकन कर उसमें दर्ज प्रविष्टियों को नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि अपराधियों पर सतत एवं प्रभावी निगरानी बनाए रखना आवश्यक है, जिससे किसी भी आपराधिक गतिविधि को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने तथा पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। इसके साथ ही फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए त्वरित एवं ठोस कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि अपराधों पर नियंत्रण तभी संभव है जब पुलिस की सक्रियता हर समय बनी रहे। निरीक्षण के दौरान आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। एसपी ने बेहतर पुलिसिंग, पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष कार्रवाई और फरियादियों की शिकायतों पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भीड़भाड़ वाले इलाकों में संघन पेट्रोलिंग करने, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम और रात्रिकालीन गश्त में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा जुआ, सट्टा एवं नशे के कारोबार में लिप्त तत्वों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने, टीम वर्क के माध्यम से सूचना संकलन कर निरंतर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए। थाना में लंबित अपराध, चालान, मर्ग एवं शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करने पर भी विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से यातायात नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। साथ ही बीट प्रणाली के आधार पर बीट प्रभारियों को अपने-अपने बीट गांवों में नियमित भ्रमण करने, वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों से लोगों को बचाने हेतु थाना क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने और आम जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखने की हिदायत दी गई। थाना क्षेत्र के गुंडा एवं निगरानी बदमाशों की समय-समय पर जांच कर उनकी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश के साथ निरीक्षण संपन्न हुआ।

### पानीपत: छह साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी काबू

**पानीपत :** पानीपत खंड इसराना में एक व्यक्ति ने छह वर्षीय बच्ची के साथ दुराचार किया। पड़ोसियों ने उसे मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार घटना उस समय हुई, जब बच्ची की मां कमरे में सो रही थी और पिता काम पर बाहर गए हुए थे। थाना इसराना पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता की मां ने बताया कि वह गांव में किराए पर रहते है ओर उसका पति चेन्नई में मिस्त्री का काम करता है। वह खुद पास की एक फैक्ट्री में कार्यरत है। महिला के अनुसार, 22 जनवरी को उनकी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए वह घर पर आराम कर रही थी, उनकी 6 वर्षीय बेटी आंगन में खेल रही थी। शाम को अंधेरा होते ही उसे बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जब उन्होंने बाहर आकर देखा, तो आवाज सामने किराएदार प्रदीप के कमरे से आ रही थी। महिला ने कमरा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं खुला। इसके बाद उन्होंने मकान मालिक और पड़ोसियों को बुलाया। काफी जद्दोहद के बाद दरवाजा खोला गया। अंदर किराएदार आपत्तिजनक हालत में था। आरोपी प्रदीप ने बच्ची को खाने की चीज देने के बहाने कमरे में बुलाया और उसके साथ गलत काम किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी प्रदीप को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। इसराना थाना प्रभारी महिपाल ने बताया कि आरोपी को गुरुवार की शाम को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था और आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर शुक्रवार को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

न्यूज IN ब्रीफ

## जनता दरबार में अधिकारियों को दिए गए दिशा- निर्देश

**देवघर :** जिले के कार्यपालक दंडाधिकारी ओम प्रियदर्शी की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को कार्यपालक दंडाधिकारी के समक्ष रखा। साथ ही वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात कार्यपालक दंडाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

## सावधानी ही सुरक्षा है : महेश

**बासुकीनाथ :** बाबा नगरी बाबा बासुकीनाथ धाम निवासी सह समाजसेवी महेश प्रसाद साह ने एक भेंट में बताया कि सावधानी ही सुरक्षा है. उन्होंने दो पहिया और चार पहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा मोबाइल फोन का प्रयोग न करने का अनुरोध किया । प्रसिद्ध व्यवसायी श्री साह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश घटनाएँ मानवीय लापरवाही के कारण होती हैं, जिन्हें नियमों का पालन कर आसानी से रोका जा सकता है। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ह्लसावधानी ही सुरक्षा हैह्व तथा नियमों का पालन कर ही हम स्वयं और दूसरों की जान बचा सकते हैं। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें तथा दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें।

## हेल्थ मैप को राज्य भर में मिला एक्सटेंशन

**जमशेदपुर :** राज्य भर की सरकारी अस्पतालों में मरीजों की एक्स-रे अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन के माध्यम से जांच करने वाली एजेंसी हेल्थ मैप डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड को राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने 31 मार्च तक के लिए एक्सटेंशन दे दिया है। पिछले दिनों विभाग में इस जांच एजेंसी को 31 दिसंबर तक के एमओयू को समाप्त होने के बाद एक्सटेंशन नहीं दिया था। लेकिन गुरुवार को विभाग ने एक बार फिर से इसे 31 मार्च तक की लिए एक्सटेंशन दे दिया है।

## मोतीनगर में एक व्यक्ति के फांसी लगाने से मातम में बदला पूजा का उत्सव

गम्हरिया : प्रखंड कार्यालय से सटे मोती नगर में एक 38 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सरस्वती पूजनोत्सव के उत्साह में डूबे मोतीनगर में इस घटना के बाद मातम छा गया है। बताया गया कि मृतक परितोष कुमार किसी कंपनी में ठेकेदारी का काम करता था। मोतीनगर में अपने परिवार के साथ रहता था। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की सुबह जब काफी देर तक परितोष के कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा खोलने पर अंदर परितोष का शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। यह दृश्य देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई।

परिजनों के अनुसार, परितोष पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव से गुजर रहा था। मृतक को पत्नी के अलावा एक लड़की और दो लड़का है। सूचना पाकर आदित्यपुर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और शव को फंदे से उतारकर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी विनोद तिर्की ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## एमजीएम मेडिकल कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई सरस्वती पूजा

**जमशेदपुर :** एमजीएम मेडिकल कॉलेज में 2024 बैच के छात्रों ने सरस्वती पूजा का आयोजन किया। इस पूजा में नए बैच से लेकर स्नातकोत्तर और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने भी भाग लिया। इस दौरान कालेज के विभिन्न शिक्षक भी पहुंचे और मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया। छात्रों ने बताया कि शुक्रवार की रात में कॉलेज परिसर में जागरण का कार्यक्रम भी आयोजित होगा। यह पूजा कॉलेज परिसर में कई वर्षों से मनाया जाता रहा है।

## सुभाष जयंती पर मुकुल मिश्रा के नेतृत्व में निकाली गई पदयात्रा

**जमशेदपुर :** नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर जनसुविधा ट्रस्ट की ओर से शुक्रवार को प्रभात फेरी के रूप में पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा का नेतृत्व ट्रस्ट के अध्यक्ष मुकुल मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिल्ड्रेन पार्क से हुई, जो राममंदिर चौक होते हुए सोनारी के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करती हुई रोड नंबर-7 से भारत सेवाश्रम स्कूल के समीप होकर पुनः श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिल्ड्रेन पार्क में समाप्त हुई। पदयात्रा में आजाद हिंद फौज में नेताजी के सहयोगी रहे सोमेंद्र अधिकारी के पुत्र सिद्धार्थ अधिकारी विशेष रूप से शामिल हुए।

# विशेष गहन पुनरीक्षण में किसी भी नागरिक को डरने की आवश्यकता नहीं : हीरालाल

संवाददाता

**साहिबगंज :** झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अपने कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने के लिए लगातार ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित कर रही है।इसी क्रम में जेपीसीसी ने बीएलए मास्टर ट्रेनर्स की सूची जारी की है ।जो प्रत्येक जिले में बीएलए को प्रशिक्षण देगी।यह प्रशिक्षण 15 जनवरी से मार्च 2026 तक चलेगी।प्रशिक्षण में पूरे प्रदेश से 44 पदाधिकारियों को चयनित कर मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया गया है।प्रदेश कमिटी इन प्रशिक्षित ट्रेनरों को जिला और प्रखण्ड स्तर पर अपने बीएलए को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।साहिबगंज जिला से जिला कांग्रेस कमिटी से दो जिला महासचिव इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में ट्रेनिंग देने की जिम्मेवारी दी है।जिला महासचिव हीरालाल साह व जिला महासचिव मूरसलिम खान हैं।इन्हें अलग अलग क्षेत्रों में बीएलए को प्रशिक्षित करने की जिम्मेवारी प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा सौंपी गई है।वहीं जिला महासचिव सह बीएलए मास्टर ट्रेनर हीरालाल साह जी ने कहा एसआईआर से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। हम साहिबगंज जिला के प्रत्येक वोटर को क्या-क्या दस्तावेज चाहिए और फॉर्म कैसे भरना है कौन सा फॉर्म भरना है सर जानकारी हमारे लिए पूरे जिले के हर नागरिक को देगी इसका ट्रेनिंग हम लोग जितने भी जिले में बीएलएए बने हैं। सबको प्रशिक्षित कर आपकी सेवा के लिए उपलब्ध कराएंग,जिला मास्टर ट्रेनर बनाये जाने पर हीरालाल साह ने जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष को कितनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया है।

## समाज में धार्मिक एकता की मिसाल है सरस्वती पूजा

**गम्हरिया :** श्री श्री सरस्वती पूजा समिति, सूर्या स्टूडेंट बॉयज क्लब के तत्वावधान में आशियाना क्षेत्र वार्ड 12 में सरस्वती पूजनोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी सह विहिप जिलाध्यक्ष डॉ. जे एन दास ने किया। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से समाज में धार्मिक एकता की मिसाल कायम होती है। धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन समाज को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने माँ सरस्वती के समक्ष पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की शैक्षणिक उन्नति और सामाजिक समरसता की कामना की। डॉ. दास ने अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान और संस्कार से ही सशक्त समाज का निर्माण होता है।आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र और समाज को मजबूत बनाए।

# अरबाज खान के हाथों सम्मानित हुई अधिवक्ता पूजा शर्मा

बिनय मिश्रा

**जमशेदपुर :** पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के वरीय अधिवक्ता सह चक्रधरपुर निवासी पवन कुमार शर्मा की सुपुत्री अधिवक्ता पूजा शर्मा ने कानूनी जानकारी और अव्वलता के फलस्वरूप जमशेदपुर के पीके मॉल में अवस्थित रेडिशन ब्लू में आयोजित क्राऊन मेरिट इवेंट द्वारा प्रस्तुत चैंपियन बिजनेस अवार्ड 2026 में झारखंड के सर्वश्रेष्ठ कानूनी अधिवक्ता के रूप में पूजा शर्मा को सम्मानित किया गया। इस सम्मान से सम्मानित होने वाली पूजा शर्मा को फिल्म जगत के प्रख्यात अभिनेता सलमान खान के तीसरे भाई व प्रख्यात अभिनेता सह निमार्ता निर्देशक अरबाज खान के द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रख्यात अभिनेता के भाई अरबाज खान ने कई फिल्मों अपने अभिनय का लोहा मनवाने के साथ साथ निमार्ता निर्देशक के रूप में भी कई फिल्में बनाई है। अरबाज खान के द्वारा सम्मानित होने पर पूजा शर्मा काफी हर्षित और प्रसन्नचित्त भी हैं। अपने इस उपलब्धि और कामयाबी का श्रेय अपने पिता वरीय अधिवक्ता पवन शर्मा को देती हैं जिनके सफल मार्गदर्शन से वो इस उपलब्धि और कामयाबी को पाने में सफल रही हैं। वहीं पूजा शर्मा के इस उपलब्धि पर अधिवक्ता गणों ने अपनी बधाई और शुभ कामना दी हैं।

# प्राधिकार सचिव की पहल पर जरूरतमंद महिला को मिला पेंशन

संवाददाता

**चाईबासा :** जानकारी के अभाव में आधार अद्यतन (अपडेट) न होने के कारण पिछले 03 माह से पेंशन के लिए भटक रही एक जरूरतमंद महिला को अंततः राहत मिल गई है। महिला की समस्या की जानकारी मिलने पर प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित पहल की और अधिकार मित्र उदय शंकर और नीतू सार को आवश्यकत निर्देश दे संबंधित विभाग से समन्वय कर कार्यवाही पूर्ण करवाई। सचिव के हस्तक्षेप एवं मार्गदर्शन से महिला का आधार अधतन करवाने और विभाग में जमा करवाने
के पाश्चात उनके पुनः पेंशन आरम्भ होने का रास्ता बन गया है, जिससे अब उन्हें नियमित रूप से पेंशन राशि प्राप्त हो सकेगी। पेंशन स्वीकृत होने की जानकारी मिलते ही महिला के चेहरे पर संतोष और राहत स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

इस अवसर पर प्राधिकार के सचिव ने कहा कि ह्लसरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव में कई बार लाभुक वंचित रह जाते हैं, समाज के सभी वर्गों को विधिक और सरकारी सेवाओं की जानकारी देकर उनकी सहायता करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्राधिकार द्वारा की गई इस मानवीय पहल की सराहना की जा रही है। यह उदाहरण दशार्ता है कि समय पर की गई संवेदनशील कार्यवाही से जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है

# सांसद विजय हांसदा के वनभोज में कार्यक्रम मे झामुमो के सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

संवाददाता

**साहिबगंज :** बोरियो के तसर सेंटर मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा साहिबगंज जिला समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय बैठक सह वन भोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय कुमार हांसदा एवं विशिष्ट अतिथि राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एम०टी०राजा,बोरियो विधायक धनंजय सोरेन,जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,पूर्व विधायक ताला मरांडी,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी झामुमो नेता सिमोन मालतो शामिल हुए।कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकताओं ने स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।कार्यक्रम का संचालन सांसद प्रतिनिधि सह झामुमो जिला उपाध्यक्ष संजीव सामु हेंब्रम ने किया।कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथियों ने कार्यकताओं को बारी बारी से संबोधित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय हांसदा ने कहा कि आगामी 2 फरवरी को दुमका में आयोजित कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाना है इसके लिए हमारे कार्यकताओं को व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे।साथ ही उन्होंने बीएलए 2 फॉर्म भरते हुए अभिकताओं के चयन प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के सभी प्रखण्ड अध्यक्ष सचिव को 2फरवरी झारखंड स्थापना दिवस पर दुमका चलो का नारा दिवार लेखन एवं बीएलए फॉर्म-2 भरकर जल्द से जल्द जिला समिति साहिबगंज को समर्पित करने हेतु जिला अ4 ध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने निर्देश दिया।मौके पर जिला सचिव सुरेश टुडू, राजमहल विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ, जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रो०नजरुल इस्लाम,पूर्व नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख,केंद्रीय समिति सदस्य मुजीबुर्रहमान,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा,केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा,सुरेन्द्र यादव,एखलाकुर रहमान,महेश साह,जिला परिषद सदस्य अब्दुल बारीक शेख,जेठा मुर्मू समेत साहेबगंज जिला एवं गोड्डा जिला अंतर्गत केंद्रीय समिति सदस्यगण,जिला के समस्त पदाधिकारीगण,वर्ग संगठन के जिला अध्यक्ष सचिव पदाधिकारीगण महिला मोर्चा के अध्यक्ष सचिव सहित पदाधिकारीगण प्रखंड अध्यक्ष-सचिव,नगर के अध्यक्ष-सचिव, विभिन्न पंचायतों के अध्यक्ष-सचिव सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

## उपायुक्त ने सरस्वती पूजा को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

**देवघर :** जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने सरस्वती पूजा/बसंत पंचमी को लेकर सम्पूर्ण देवघर व मधुपुर अनुमण्डल क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु आमजनों/सरस्वती पूजा समिति के हित में निदेश दिये हैं जिसका अनुपालन अनिवार्य हैं. उपायुक्त श्री लकड़ा ने बताया कि सभी पूजा समिति विसर्जन के दौरान गहरे नदी/तालाब में नहीं जायेगें।

पूजा समिति/कोई भी व्यक्ति ध्वनि विस्तारक यंत्र/अन्य तरीके से किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक टिप्पणियाँ नहीं करेंगे, जिससे कि किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचे। पूजा एवं विसर्जन के दौरान लाउडस्पीकर पर अश्लील गाना, दसरे धर्मावलंबियों की भावनाओं को आहत करने वाला विवादस्पद गाना नहीं बजायेंगे।

पूजा में ध्वनि विस्तारक यंत्र में का उपयोग रात्रि 10.00 बजे तक ही करेंगे जो लाउडस्पीकर एक्ट की धाराओं के अंतर्गत होगा तथा माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड राँची के आदेशानुसार जिले के देवघर व मधुपुर अनुमंडल क्षेत्रान्तर्गत डी0जे0 के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेंगा।सभी पूजा समिति विसर्जन की तिथि और समय निर्धारित कर निश्चित समयावधि में विसर्जन करेंगे एवं जिसकी लिखित सूचना संबंधित थाना प्रभारी को देना सुनिश्चित करेंगे।सभी संबंधित थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत पूजा/विसर्जन के दौरान मार्ग में इकट्ठे असामाजिक/शरारती एवं उपद्रवी तत्वों की गतिविधि पर सूक्ष्म निगरानी रखना सुनिश्चित करेंगे एवं विधि सम्मत कार्रवाई करेंगे।

यदि असामाजिक तत्वों एवं अन्य के द्वारा किसी भी दुकानदारों से जबरदस्ती पैसे/चंदा की मांग, मारपीट एवं प्रतिष्ठान को क्षति पहुँचाया जाता हैं, तो संबंधित थाना प्रभारी उनके विरूद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

रास्ते के आधे भाग का ही प्रयोग विसर्जन कार्यक्रम के लिए करेंगे व आधे भाग को आम जनता के आवागमन के लिए रखेंगे। विसर्जन में शामिल होने वाले लोग किसी प्रकार का घातक हथियार भाले, गड़ासे, कट्टे, अस्त्र-शस्त्र आदि का धारण व उपयोग या प्रदर्शन नहीं करेंगे।विसर्जन के दौरान भगदड़ की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए संबंधित पूजा समिति अपना स्वयंसेवी अनिवार्य रूप से प्रतिनियुक्त करेंगे।

# लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है : डीडीसी

संवाददाता

**दुमका :** समाहरणालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में
राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्री सचान द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सचान ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। मतदाता दिवस प्रत्येक भारतीय नागरिक को उसके लोकतांत्रिक कर्तव्यों एवं अधिकारों की याद दिलाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मतदान न केवल अधिकार है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी है। सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनाया जा सकता है। मतदाता शपथ के दौरान सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने यह संकल्प लिया कि वे भारत के नागरिक के रूप में लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन प्रक्रियाओं में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस अवसर पर जिले के वरीय पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मी उपस्थित थे।